Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 05
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 12 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

'निर्माण कार्य में धूल कम करने के लिए स्टील को दें बढ़ावा', केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का सुझाव

दिव्यांश

मुंबई। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भवन निर्माण के दौरान धूल प्रदूषण को कम करने के लिए पूर्वनिर्मित (प्रीकास्ट) और इस्पात (स्टील) निर्माण विधियों को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया में आपको मजतबूत कंक्रीट मिश्रण देखने को नहीं मिलता। आपको स्टील और पूर्वनिर्मित संरचनाएं ही दिखती हैं। शायद ये थोड़ी महंगे हैं। मैं इस बारे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बातचीत करने की सोच रहा था कि क्या हम इसके लिए रियायतें और प्रोत्साहन दे सकते हैं।

पीयूष गोयल उत्तरी मुंबई के मलाड पश्चिम उपनगर में स्थित आदर्श कॉम्पलैक्स में व्यापारियों और हाउसिंग सोसायटी के पदाधिकारियों की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह बैठक 15 जनवरी को होने वाले मुंबई नगर निगम चुनाव से पहले आयोजित की गई थी।

मशीनें शहर से बाहर स्थानांतरित करने की मांग

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान उड़ने वाली धूल प्रदूषण का कारण बनती है। उन्होंने मजबूत कंक्रीट निर्माण की मशीनों को शहर से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की। गोयल ने कहा, मैंने अपने (संसदीय निर्वाचन क्षेत्र) क्षेत्र से चार-पांच मशीनें हटवा दी हैं।

'निर्माण में स्टील के इस्तेमाल के लिए बिल्डरों के बीच बने सहमति'

गोयल ने यह भी सुझाव दिया कि प्रदूषण पैदा करने वाली प्रक्रियाओं का उपयोग न करने को अनिवार्य बनाने के बजाय, बिल्डरों के बीच सहमति बनाकर पूर्वनिर्मित और स्टील निर्माण विधियों का इस्तेमाल कर प्रदूषण को नियंत्रित किया जाना चाहिए। उत्तरी मुंबई से भाजपा के लोकसभा सदस्य और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पियूष गोयल ने यह भी जोर दिया कि सार्वजनिक मैदानों को विशेष रूप से धार्मिक, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों के लिए आवंटित किया जाना चाहिए।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा, ये नगर निगम चुनाव हैं, इसलिए मैं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बात नहीं करूंगा, जैसे कि मेरी हाल ही में ब्रसेल्स दौरा हुआ, जहां मैंने यूरोपीय संघ-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लगभग अंतिम रूप दे दिया था।

मंत्री नितेश राणे के बंगले के बाहर मिला संदिग्ध बैग, जांच में जुटी मुंबई पुलिस

मुंबई।महाराष्ट्र बीजेपी के नेता और राज्य सरकार में मंत्री नितेश राणे के सरकारी आवास सुवर्णगड बंगले के बाहर रविवार को एक संदिग्ध बैग मिलने से हड़कंप मच गया. प्राथमिक जानकारी के अनुसार, एक अज्ञात व्यक्ति बंगले के बाहर बैग रखकर मौके से चला गया था. बैग दिखाई देने के बाद तुरंत पुलिस और जांच एजेंसियों को इसकी सूचना दी गई.

सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गए और पूरे इलाके को सुरक्षित करते हुए बैग की गहन जांच शुरू की गई. इस दौरान आसपास की आवाजाही पर भी एहतियातन नजर रखी गई.

बैग में नहीं मिला विस्फोटक-भरे थे जूते

मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, संदिग्ध बैग की जब जांच की गई तो उसमें किसी भी तरह की विस्फोटक या खतरनाक सामग्री नहीं पाई गई. बैग के अंदर एक पत्र और बड़ी संख्या में जूते बरामद हुए. पुलिस ने बताया कि पत्र में लिखा था, 'जिसे भी जूते चाहिए, मुफ्त में ले लो.' बैग में अलग-अलग प्रकार के कई जूते रखे हुए थे. लेकिन किसी ने ऐसा क्यों किया यह सवाल अब लोगों को परेशान कर रहा है. अगर वाकई विस्फोटक होता तो क्या होगा ?

बैग रखने वाले की तलाश शुरू

सीसीटीवी फुटेज में एक व्यक्ति दिखाई दे रहा है, जो बैग को बंगले के बाहर रखकर वहां से चला गया. फिलहाल पुलिस उस व्यक्ति की पहचान और तलाश में जुटी हुई है. अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद बैग से किसी भी प्रकार की संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु नहीं पाई गई. इस मामले को लेकर पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है.

पुलिस के अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर बैग वहां क्यों रखा गया और इसके पीछे उस व्यक्ति की मंशा क्या थी.उधर इस मामले में नितेश राणे की प्रतिक्रिया नहीं मिली है.

ठाणे में पानी की किल्लत, कूड़ाघरों की कमी और अन्य समस्याएं आज भी जस की तसः सुप्रिया सुले

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राकांपा (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने राज्य में सत्तारूढ़ महायुति सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भले ही ठाणे को एक 'सभ्य' शहर के रूप में पेश किया जा रहा हो, लेकिन पानी की किल्लत, कूड़ाघरों की कमी और अन्य समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं।

नगर निकाय चुनावों से पहले शनिवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उबाठा) के उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सुले ने ठाणे के विकास के लिए बड़े पैमाने पर धनराशि मंजूर किए जाने के सरकारी दावों पर सवाल उठाए।

इस मौके पर राकांपा (एसपी) के विधायक जितेंद्र आव्हाड, पार्टी की ठाणे शहर इकाई के अध्यक्ष मनोज प्रधान, अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद थे।

सुले ने कहा कि ठाणे कभी एक छोटा शहर था, लेकिन राज्य और देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग यहां बेहतर जीवन और विकास की उम्मीद लेकर आए, मगर आज उनकी उम्मीदें निराशा में बदल गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ठाणे को 'सभ्य' शहर बताया जाता है, लेकिन पानी, कूड़ाघरों की कमी, तथा शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं अब भी हल नहीं हो पाई हैं।

चांदोद- एकतानगर रेल खंड की होगी कायापलट

तिलकवाड़ा स्टेशन B क्लास स्टेशन बना

भोई - एकता नगर के बीच चांदोद-एकता नगर खंड के तिलकवाड़ा स्टेशन को वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके के मार्गदर्शन मेँ क्लास के रूप में कमीशन कर? लिया गया है। तिलकवाड़ा स्टेशन का अपग्रेडेशन सिर्फ एक स्टेशन नहीं बल्कि एक 32 किलोमीटर लंबे रेल खंड की काया पलट है।

अब यह स्टेशन साधारण स्टॉपिंग पॉइंट से उन्नत सिग्नलिंग, एक बेहतर ऑपरेशनल क्षमता और अधिक यात्री सुविधाओं वाला स्टेशन बन गया है, जो वडोदरा मंडल की एक बड़ी उपलब्धि है।

तिलकवाड़ा स्टेशन के अपग्रेडेशन से पहले चांदोद - एकतानगर सेक्शन पूरी तरह सैचुरेटेड था यानि अतिरिक्त ट्रेन के परिचालन के लिए संभावना कम थी। 10 जनवरी 2026 को नान इंटरलाकिंग कार्य संपन्न होने से तिलकवाड़ा स्टेशन को नया रूप मिला है। अब यह सिर्फ एक छोटा सा स्टॉप नहीं बल्कि क्रॉसिंग स्टेशन है यहां ट्रेन अब पास हो सकती हैं। इसके लिए एक नई लूप लाइन और दो हाई लेवल प्लेटफार्म का निर्माण किया गया है, जो ट्रैफिक और एफिशिएंसी को बढ़ाते हैं।

तिलकवाड़ा स्टेशन के B क्लास में अपग्रेड होने से अब इस रूट पर ऑपरेशनल एफिशिएंसी, समय की पाबंदी और इस प्रतिष्ठित सेक्शन में और ट्रेनें चलाने की संभावना बेहतर होगी।

तिलकवाड़ा को B-क्लास स्टेशन में बदलने से एकतानगर और चांदोद के बीच मौजूदा सिंगल ब्लॉक सेक्शन दो ब्लॉक सेक्शन में बंट गया है, यानी एकतानगर - तिलकवाड़ा और तिलकवाड़ा –चांदोद। एक साधारण हॉल्ट से एक फंक्शनल ब्लॉक स्टेशन में बदलने से चांदोद और एकतानगर के बीच ट्रेन परिचालन क्षमता बढ़ेगी, जिससे संरक्षा में वृद्धि होगी। साथ ही सेक्शन कैपेसिटी बढ़ने से इस सेक्शन में और अधिक ट्रेनों को परिचालित करने का विकल्प मिलेगा।

भविष्य में, ट्रेनों की संख्या बढ़ने पर, तिलकवाड़ा एक फायदेमंद ऑपरेशनल पॉइंट के तौर पर काम करेगा, जिससे ट्रेन रेगुलेशन और ऑपरेशनल फ्लेक्सिबिलिटी बेहतर होगी। एकतानगर से शुरू होने वाली ट्रेनों का लाईन क्लियर के लिए रुकने का समय कम हो जाएगा, जिससे ऑपरेशन आसान होगा और समय की पाबंदी बेहतर होगी।

B-क्लास स्टेशन बनने से तिलकवाड़ा स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में भी इज़ाफा हुआ है, यात्रिओं को स्टेशन पर पैदल ऊपरी पुल, वेटिंग रूम और टिकट काउंटर जैसी सुविधाएँ प्रदान की गई हैं, जिससे यात्रिओं का सफ़र और सुखकर होगा। स्टेशन पर एक हाई-लेवल प्लेटफॉर्म का निर्माण किया गया है, जिससे यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और उतरने के दौरान ज़्यादा सुविधा और सुरक्षा मिलेगी।

अपग्रेड होने से पहले डभोई और एकतानगर के बीच तिलकवाड़ा एक D-क्लास (फ्लैग स्टेशन) स्टेशन था, जहाँ सिर्फ एक प्लेटफॉर्म और कुछ बुनियादी सुविधाएं थी। फ्लैग स्टेशन होने के कारण कोई सिग्नल नहीं था और ऑपरेशन के लिए कोई समर्पित रेलवे स्टाफ नहीं था।

नवी मुंबई के स्कूलों में 'स्वीप' पहल के ज़रिए छात्रों के माता-पिता और रिश्तेदारों से वोट देने की अपील

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम चुनाव की 'स्वीप' पहल के तहत, स्कूलों में रंगोली, निबंध, पेंटिंग, भाषण, हस्तशिल्प, संकल्प पत्र, माता-पिता को पोस्टकार्ड लिखना जैसी इनोवेटिव गतिविधियाँ की जा रही हैं, जो वोट देने के लिए भावनात्मक अपील करती हैं। इनके ज़रिए छात्र अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों और जान-पहचान वालों को वोटिंग के महत्व के बारे में समझा रहे हैं और उनसे लोकतंत्र के इस त्योहार को खुशी से मनाने की अपील कर रहे हैं। नवी मुंबई नगर निगम कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे, अतिरिक्त कमिश्नर सुनील पवार, उप चुनाव आयुक्त भागवत दोइफोडे, स्वीप कार्यक्रम नोडल अधिकारी डॉ. अजय गाडे और उप शिक्षा आयुक्त संघरत्न खिल्लारे के मार्गदर्शन में यह अभियान सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है।

इसी तरह का एक वोटिंग जागरूकता अभियान ज्ञान विकास संस्था के डीवीएस कॉलेज ऑफ कॉमर्स, कोपरखैरने में भी चलाया गया। वहाँ 931 छात्र और माता-पिता एक साथ आए, सामूहिक रूप से मतदाता शपथ ली और मल्टी-मेंबर पैनल सिस्टम में वोट कैसे दें, इसके बारे में जाना। एनएसएस यूनिट के छात्रों ने इस वोटिंग जागरूकता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। कोपरखैरने के आर.एफ. नाइक स्कूल के 1000 से ज़्यादा छात्र एक साथ आए और इलाके में वोटिंग जागरूकता रैली निकाली, जिसमें 'वोट दें - लोकतंत्र का सम्मान करें' जैसे कई ज़ोरदार नारे लगाए और तख्तियाँ दिखाकर लोगों से वोट देने की अपील की।एफ.जी. नाइक कॉलेज के युवा छात्रों ने भी एक अलग रैली निकाली और कोपरखैरने डिवीज़न में सफलतापूर्वक वोटिंग जागरूकता अभियान चलाया।

नवी मुंबई नगर निगम स्कूल नंबर 106, कोपरखैरने में वोटिंग जागरूकता पर रंगोली और भाषण प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया और रंगों और शब्दों के माध्यम से वोटिंग के महत्व को बताया। 750 से ज़्यादा छात्रों ने वोटिंग जागरूकता रैली में भाग लिया और पूरे इलाके को 'वोट दें' के नारों से भर दिया।

स्कूल नंबर 38 सेक्टर 02 कोपरखैरने ने छात्रों को वोटिंग प्रक्रिया के बारे में बताने के लिए एक मॉक पोलिंग स्टेशन बनाया और छात्रों को वोटिंग प्रक्रिया के बारे में बताने के लिए रचनात्मक गतिविधियाँ कीं।

स्कूल नंबर 122 कोपरखैरने के छात्र एक साथ आए और एक नुक्कड़ नाटक तैयार किया जिसने लोगों का मनोरंजन किया और उन्हें वोटिंग जागरूकता के बारे में जागरूक किया और इसे सेक्टर में प्रस्तुत किया। 15 कोपरखैरने और अन्य इलाके।

सहायगिनी आंग पलकल संस्था, जो दिव्यांग छात्रों में अच्छे संस्कार डालती है, ने भी पहल की और छात्रों, माता-पिता और शिक्षकों को वोटिंग के महत्व के बारे में समझाया और उनसे 15 जनवरी को वोट देने की अपील की।

700 छात्र और 500 माता-पिता लोकतंत्र के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए एक साथ आए और घनसोली में वोटिंग अभियान चलाया

रविवार को पीएम राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज विद्यालय, राबाले में कक्षा 1 से 8 तक के 700 से ज़्यादा छात्र और 500 से ज़्यादा माता-पिता स्कूल ट्रांसफॉर्मेशन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए इकट्ठा हुए और 15 जनवरी को होने वाले नवी मुंबई नगर निगम चुनावों में सभी लोग वोट दें, यह सुनिश्चित करने के लिए 'वोटिंग जागरूकता एंबेसडर' बनने की शपथ ली। छात्रों ने अपने माता-पिता की छाती पर खुद 'जागरूक मतदाता' बैज लगाए और एक भावुक अपील की, 'हम जागरूक हो गए हैं, अब आप भी।'

माता-पिता के लिए लक्ष्य तय किया गया कि वे न सिर्फ खुद वोट दें, बल्कि अपने इलाके और रिश्तेदारों में कम से कम 10 लोगों को वोट देने के लिए प्रोत्साहित करें। इस मौके पर माता-पिता ने उत्साह से कहा, 'हमारे बच्चे पिछले कुछ दिनों से घर पर वोटिंग के महत्व के बारे में बात कर रहे हैं। आज, जब मुझे उनके हाथों से वोटर बैज मिला तो मुझे बहुत गर्व महसूस हुआ। हम न सिर्फ खुद वोट देंगे, बल्कि दूसरों को भी अपने साथ ले जाएंगे।'

इस खास कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती स्नेहल विश, परीक्षा प्रमुख अविनाश जाधव, सनी पाटिल, दिनेश भोये और सभी टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ ने कड़ी मेहनत की। पूरे घनसोली डिवीजन में लागू किए जा रहे ऐंईं अभियान की सही प्लानिंग चुनाव निर्णय अधिकारी कल्पना गोडे, सुचित्रा पाटिल, वसंत मुंडावरे, यशवंत कापसे और ऐंईं प्रमुख संतोष मोरस्कर, समन्वय अधिकारी कमलेश इंगले द्वारा की जा रही है।

महाराष्ट्र में दो प्रमुख विद्युत पारेषण परियोजनाओं का आरईसीपीडीसीएल द्वारा सफल हस्तांतरण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबईः आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल), जो आरईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है तथा ऊर्जा मंत्रालय के अधीन 'महारत्न' केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम है, ने महाराष्ट्र राज्य में दो महत्वपूर्ण राज्यांतर्गत विद्युत पारेषण परियोजनाओं के लिए गठित विशेष प्रयोजन वाहनों का सफलतापूर्वक हस्तांतरण किया है। यह हस्तांतरण 9 जनवरी 2026 को टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के अंतर्गत संपन्न हुआ।

प्रथम परियोजना के अंतर्गत वेलगांव पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के विशेष प्रयोजन वाहन का हस्तांतरण सीगैल इंडिया लिमिटेड को किया गया। यह परियोजना 'निर्माण-स्वामित्व-संचालन-हस्तांतरण' मॉडल के अंतर्गत विकसित की जाएगी। आरईसीपीडीसीएल के वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं प्रमुख (पारेषण एवं वितरण) श्री विजय कुलकर्णी ने यह विशेष प्रयोजन वाहन सीगैल इंडिया लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक डॉ. सुधीर राव होशिंग को सौंपा। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य पारेषण उपयोगिता के मुख्य अभियंता श्री पीयूष शर्मा तथा डॉ. होशिंग के मध्य पारेषण सेवा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना की कार्यान्वयन अवधि 24 माह निर्धारित की गई है।

इस परियोजना के अंतर्गत 400/220 किलोवोल्ट वेलगांव गैस-इंसुलेटेड उपकेंद्र की स्थापना, 400 किलोवोल्ट एवं 220 किलोवोल्ट दोहरे तथा एकल परिपथ पारेषण लाइनों का लाइन-इन-लाइन-आउट सहित अन्य संबद्ध कार्य सम्मिलित हैं। यह परियोजना महाराष्ट्र की महत्वाकांक्षी विद्युत पारेषण विस्तार योजना के अंतर्गत इस चरण को प्राप्त करने वाली पहली परियोजना है।

इसी दिन आरईसीपीडीसीएल ने दूसरी परियोजना जेजुरी-हिंजवडी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के विशेष प्रयोजन वाहन का हस्तांतरण टाटा पावर कंपनी लिमिटेड को किया। यह परियोजना भी निर्माण-स्वामित्व-संचालन-हस्तांतरण मॉडल के अंतर्गत विकसित की जाएगी। विशेष प्रयोजन वाहन का हस्तांतरण श्री विजय कुलकर्णी द्वारा टाटा पावर कंपनी लिमिटेड में व्यवसाय विकास (पारेषण एवं वितरण - अंतरराष्ट्रीय) के प्रमुख श्री पियूष कुमार को किया गया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य पारेषण उपयोगिता के मुख्य अभियंता श्री पीयूष शर्मा तथा श्री पियूष कुमार के मध्य पारेषण सेवा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना की कार्यान्वयन अवधि भी 24 माह निर्धारित की गई है।

इस परियोजना के अंतर्गत जेजुरी से हिंजवडी तक लगभग 115 किलोमीटर लंबी 400 किलोवोल्ट दोहरे परिपथ की विद्युत पारेषण लाइन का निर्माण किया जाएगा। प्रति परिपथ 2,000 मेगावाट क्षमता वाली यह 400 किलोवोल्ट क्वाड दोहरी पारेषण लाइन पुणे-हिंजवडी क्षेत्र में स्थापित डाटा केंद्रों को विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करेगी, साथ ही पुणे रिंग मेन नेटवर्क की स्थिरता एवं विश्वसनीयता को भी सुदृढ़ बनाएगी।

महाराष्ट्र राज्य पारेषण उपयोगिता, महाराष्ट्र सरकार के मार्गदर्शन में तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अभा शुक्ला, भारतीय प्रशासनिक सेवा, एवं महापारेषण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार, भारतीय प्रशासनिक सेवा, के नेतृत्व में राज्य के ऊर्जा संक्रमण मार्गचित्र के अनुरूप एक महत्वाकांक्षी पारेषण विस्तार कार्यक्रम का क्रियान्वयन कर रही है। इस पहल का उद्देश्य वितरण कंपनियों की संसाधन पर्याप्तता योजनाओं के अनुरूप पारेषण क्षमता सुनिश्चित करना तथा महाराष्ट्र की विद्युत पारेषण प्रणाली को अधिक सुदृढ़, सक्षम और विश्वसनीय बनाना है।

महाराष्ट्र सदन में 'लाइव पेंटिंग' और 'कलात्मक पतंग' का अनोखा त्योहार

मकर संक्रांति पर कला की ऊंचाई

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कस्तूरबा गांधी मार्ग पर नए महाराष्ट्र सदन में 10 जनवरी को आयोजित 'हुर्डा पार्टी और मकर संक्रांति महोत्सव' में कला की एक अभूतपूर्व जागृति देखी गई। मराठी फिल्म अभिनेता भरत जाधव द्वारा उद्घाटन किए गए इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'लाइव पेंटिंग' और 'कलात्मक पतंग बनाने' की गतिविधियाँ थीं। इसमें 100 से ज़्यादा उभरते कलाकारों और छात्रों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा से दिल्ली के लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस विशेष गतिविधि की कल्पना 'फाइन लाइन आर्ट एकेडमी' के प्रमुख आशीष देशमुख और स्नेहल देशमुख ने की थी। इस गतिविधि की सबसे बड़ी खासियत मकर संक्रांति के अवसर पर लागू की गई यह इनोवेटिव गतिविधि है। इसमें, भाग लेने वाले कलाकारों नें 3 साइज़ के खाली कागज़ से सुंदर पतंगें बनाईं। इन पतंगों को किसी भी विषय की कोई पाबंदी के बिना 'फ्री-हैंड' तरीके से पेंट किया गया। खास बात यह है कि सिर्फ पेंटिंग करने के बजाय, हर कलाकार ने अपनी कलाकृति के ज़रिए एक सामाजिक संदेश देकर दर्शकों का ध्यान खींचा।

एकेडमी ने भाग लेने वाले कलाकारों को कैनवस, पेंट और ब्रश जैसी सभी सामग्री मुफ्त में दी। महाराष्ट्र सदन का माहौल एक तरफ आग पर भुने हुए हुर्डे की खुशबू और दूसरी तरफ महाराष्ट्र की ग्रामीण संस्कृति के रंगों से भर गया था। कलाकारों ने अपने कैनवस पर खेत के दृश्यों और पतंग उत्सव के विभिन्न पहलुओं को जीवंत कर दिया। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी उम्र के नागरिकों ने इस गतिविधि में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

रेजिडेंट कमिश्नर और सचिव आर. विमला ने इस पहल के सफल आयोजन के लिए आशीष देशमुख, स्नेहल देशमुख और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। इस अवसर पर, 'फाइन लाइन आर्ट एकेडमी' की ओर से रेजिडेंट कमिश्नर को गणेश जी की सुंदर तस्वीर वाला एक फ्रेम उपहार में दिया गया। इस इनोवेटिव त्योहार ने महाराष्ट्र की मिट्टी और कला की खुशबू को दिल्ली के दिल तक पहुँचाया है, और इस पहल की सभी स्तरों पर सराहना की जा रही है।

Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 05
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 12 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक
मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

5 माघ मेला क्षेत्र में आज़ाद रीड्स और आर/...
4 सोमनाथ से 2047 तक, नेहरू बनाम मोदी ..
7 टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर नया मोड़...

संक्षिप्त न्यूज

विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक राहुल ममकूटाथिल की अयोग्यता पर मांगी कानूनी राय, बोले- सख्त कार्रवाई करेंगे

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा अध्यक्ष एएन शमसीर ने रविवार को कहा कि पलक्कड़ के विधायक राहुल ममकूटाथिल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ममकूटाथिल को एक नए यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार किया गया है। अध्यक्ष ने कहा कि उनके खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही शुरू करने को लेकर कानूनी सलाह ली जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने सख्त रुख क्यों अपनाया

पत्रकारों से बात करते हुए शमसीर ने कहा, कई बार आरोप लगने के बावजूद कांग्रेस से निष्कासित विधायक का पद पर बने रहना समाज को गलत संदेश देगा। उन्होंने कहा, यह पहली बार है जब किसी विधायक के खिलाफ इतने गंभीर आरोप लगे हैं और इस मामले को विशेषाधिकार और नैतिकता समिति के पास भेजा जाएगा। शमसीर ने कहा, अयोग्यता और इससे जुड़े अन्य मुद्दों पर फैसला लेने से पहले हम कानूनी विशेषज्ञों से चर्चा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कानून के सामने सभी बराबर हैं, चाहे वह विधायक हो या आम नागरिक।

विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कानून लागू करने वाली एजेंसियों को किसी विधायक के खिलाफ कार्रवाई से पहले उन्हें सूचित करने की जरूरत नहीं होती, जब तक कि कार्रवाई विधानसभा परिसर या विधायक हॉस्टल के अंदर न हो। उन्होंने बताया कि ममकूटाथिल की गिरफ्तारी तय प्रक्रिया के अनुसार हुई और जांच अधिकारियों ने इस बारे में अध्यक्ष को जानकारी दी।

महायुति का 'वचननामा' जारी, महिलाओं को 5 लाख का Loan, झुग्गी-मुक्त Mumbai का वादा

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनावों के लिए बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और एनसीपी के गठबंधन 'महायुति' ने रविवार को अपना चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत कई बड़े नेता मौजूद थे। गठबंधन ने मुंबईकरों को लुभाने के लिए कई बड़ी योजनाओं का ऐलान किया है।

घोषणापत्र में क्या है?

महायुति ने मुंबई के विकास और सुरक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण वादे किए हैं। उनके घोषणापत्र के अनुसार, महिलाओं को अपना काम शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त लोन दिया जाएगा। शहर को पूरी तरह से झुग्गी-झोपड़ी मुक्त बनाने और बेहतर आवास देने का लक्ष्य रखा गया है। मुंबई में रह रहे अवैध प्रवासियों की पहचान करने के लिए आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का इस्तेमाल किया जाएगा।

मराठी मानुष की वापसी

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि जो मराठी लोग मुंबई छोड़कर बाहर चले गए हैं, उन्हें वापस लाने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जाएंगी।

सीएम ने विरोधियों पर निशाना साधा

घोषणापत्र लॉन्च के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए कहा कि महायुति केवल राजनीति नहीं, बल्कि हिंदुत्व और विकास को प्राथमिकता देती है। उन्होंने 'जन्म प्रमाण पत्र घोटाले' का जिक्र करते हुए कहा कि अवैध रूप से रह रहे लोगों के लिए 'डिटेंशन सेंटर' बनाने की जमीन मिल गई है और इस पर तेजी से काम चल रहा है।

विकास की गति बढ़ाने का संकल्प

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि पिछले साढ़े तीन सालों में उनकी सरकार ने मुंबई के लिए जो काम किए हैं, यह घोषणापत्र उसी विकास को आगे बढ़ाने का रोडमैप है। उन्होंने पुरानी 'पगड़ी' वाली इमारतों के पुनर्विकास का वादा किया और कहा कि जो लोग पहले बीएमसी की सत्ता में थे, उन्होंने शहर के लिए कुछ नहीं किया, लेकिन महायुति मुंबई की तस्वीर बदल देगी।

'हिजाब' पर फिर गरमाई सियासत, प्रधानमंत्री पद को लेकर ओवैसी-हिमंत सरमा में तीखी जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के एक बयान ने देश में नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। ओवैसी ने इच्छा जताई कि वे एक दिन हिजाब पहनने वाली महिला को भारत के प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। इस बयान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पलटवार करते हुए कहा कि भारत का प्रधानमंत्री 'हमेशा एक हिंदू ही होगा', जिसके बाद दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस शुरू हो गई।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब ओवैसी ने महाराष्ट्र के सोलापुर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संविधान में केवल एक खास धर्म के व्यक्ति को ही पीएम बनने की अनुमति है, लेकिन बाबासाहेब अंबेडकर का संविधान भारत के हर नागरिक को यह मौका देता है। उन्होंने कहा, 'मेरा सपना है कि एक दिन हिजाब पहनने वाली बेटी इस देश की प्रधानमंत्री बने।' ओवैसी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए असम के सीएम ने कहा कि भले ही संविधान किसी को भी पीएम बनने से नहीं रोकता, लेकिन भारत एक हिंदू सभ्यता है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत का प्रधानमंत्री हमेशा एक हिंदू व्यक्ति ही बनेगा। रविवार को ओवैसी ने सीएम सरमा के बयान को 'छोटी सोच' वाला बताया और उन्हें याद दिलाया कि उन्होंने संविधान की शपथ ली है। ओवैसी ने कहा कि संविधान में कहीं नहीं लिखा कि पीएम केवल हिंदू ही हो सकता है।

इस बीच, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी सरमा की आलोचना की। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का उदाहरण देते हुए याद दिलाया कि वे एक सिख थे और 10 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे। मसूद ने कहा कि संवैधानिक पदों पर कौन बैठेगा, यह धर्म तय नहीं कर सकता। बीजेपी के अन्य नेताओं ने ओवैसी पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया है। बीजेपी प्रवक्ता प्रकाश रेड्डी ने कहा कि ओवैसी जानबूझकर हिजाब का मुद्दा उठाकर तनाव बढ़ाना चाहते हैं।

सोमनाथ 'स्वाभिमान पर्व'में गरजे पीएम मोदी

बोले- आक्रांता मिट गए, पर हमारा सोमनाथ आज भी अडिग है

सोमनाथ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोमनाथ मंदिर में आयोजित भव्य 'स्वाभिमान पर्व' में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने भगवान सोमनाथ की पूजा-अर्चना की और एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। यह अवसर इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि यह महमूद गजनवी द्वारा मंदिर पर किए गए पहले हमले (साल 1026) के 1,000 साल पूरे होने पर मनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि सोमनाथ का इतिहास केवल विनाश का नहीं, बल्कि हर बार गिरकर फिर से खड़े होने और विजय का इतिहास है। उन्होंने कहा कि आज सोमनाथ के मंदिर पर लहराता ध्वज पूरी दुनिया को भारत की शक्ति और सामर्थ्य का परिचय दे रहा है।

1,000 साल का संघर्ष

पीएम मोदी ने भावुक होते हुए कहा कि एक हजार साल पहले हमारे पूर्वजों ने अपनी आस्था और महादेव के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी थी। उन्होंने कहा, 'जब गजनी से लेकर औरंगजेब तक तमाम हमलावर सोमनाथ को नष्ट कर रहे थे, तो उन्हें लगा था कि उनकी तलवारें सनातन को जीत लेंगी। लेकिन वे यह नहीं समझ पाए कि सोमनाथ का अर्थ ही 'अमृत' है, जिसे मिटाया नहीं जा सकता।'

तुष्टीकरण की राजनीति पर कड़ा प्रहार

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों और गुलामी की मानसिकता रखने वाले लोगों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी कुछ लोगों ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण को रोकने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि जब सरदार वल्लभभाई पटेल ने मंदिर बनवाने का संकल्प लिया, तो उन्हें भी बाधाओं का सामना करना पड़ा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जिक्र करते हुए पीएम ने बताया कि 1951 में जब तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद मंदिर आए थे, तब भी उन पर आपत्तियां जताई गई थीं। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण के ठेकेदारों ने हमेशा भारत की सांस्कृतिक विरासत को दबाने की कोशिश की।

अद्भुत रहा 'स्वाभिमान पर्व' का नजारा

इस उत्सव की भव्यता का वर्णन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 1,000 ड्रोन द्वारा दिखाई गई सोमनाथ की गाथा, 108 घोड़ों की शौर्य यात्रा और 72 घंटों तक लगातार चलता मंत्रोच्चार मंत्रमुग्ध कर देने वाला रहा।

तमिलनाडु में राहुल-स्टालिन साथ नहीं?: डीएमके ने ठुकराई कांग्रेस की मांग; कहा- सत्ता साझेदारी का सवाल ही नहीं

दिंडीगुल (तमिलनाडु)। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्री आई. पेरियासामी ने रविवार को तमिलनाडु में गठबंधन सरकार की संभावना को खारिज किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अपने सहयोगियों के साथ सत्ता साझेदारी के पक्ष में नहीं हैं।

सत्ता साझेदारी को लेकर डीएमके ने क्या कहा?

पेरियासामी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सत्ता में हिस्सेदारी की मांग करना तमिलनाडु कांग्रेस का अधिकार है। लेकिन डीएमके हमेशा इस तरह की मांग के पक्ष में नहीं रही है। उन्होंने कहा, कभी भी गठबंधन सरकार नहीं बनी। राज्य हमेशा का नेतृत्व हमेशा डीएमके ने ही किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस रुख पर अड़िग है और मुख्यमंत्री इस पर स्पष्ट हैं कि कोई गठबंधन सरकार नहीं होगी।

तमिलनाडु कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के जीतने पर सत्ता में हिस्सेदारी की मांग दोहराई है। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने हाल ही में कहा था कि अब सत्ता में हिस्सेदारी पर चर्चा करने का समय है।

कांग्रेस की मांग क्या है?

तमिलनाडु कांग्रेस ने कहा है कि अगर गठबंधन जीतता है तो उन्हें सत्ता में हिस्सा मिलना चाहिए।

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने हाल ही में कहा कि अब इस पर चर्चा करने का समय है।

किलीयूर (कन्याकुमारी जिला) के विधायक एस. राजेश कुमार ने भी गठबंधन सरकार के पक्ष में बात की। कांग्रेस प्रभारी गिरीश चोडंकर ने कहा कि अगर कोई पार्टी सत्ता नहीं चाहती तो खुद को एनजीओ कहे।

इतिहास में गठबंधन सरकारें बनीं या नहीं?

1967 से डीएमके और एआईएडीएमके ने हमेशा अपनी सरकार बनाई है, भले ही चुनावों में अन्य दलों के साथ गठबंधन किया हो।

1952 में पहली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पूर्ण बहुमत नहीं ला सकी थी। उस समय गैर-कांग्रेसी नेताओं को सरकार में जगह मिली थी।

क्या कांग्रेस की मांग नई है?

हालांकि 2006 में डीएमके के पास पूर्ण बहुमत नहीं था, फिर भी उसने सहयोगियों के समर्थन से पूरी पांच साल की सरकार चलाई (2006-11) और सत्ता साझेदारी नहीं की। इन सहयोगियों में कांग्रेस भी शामिल थी। उस समय भी तमिलनाडु कांग्रेस नेताओं ने डीएमके से सत्ता में हिस्सेदारी की मांग की थी, लेकिन उनकी यह मांग स्वीकार नहीं की गई।

अमित शाह का केरल में 'मिशन 2026' का शंखनाद, बोले- एलडीएफ-यूडीएफ का खेल अब खत्म होगा

तिरूवनन्तपुरम। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केरल में स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का लक्ष्य साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि केरल में बीजेपी का सफर आसान नहीं था, लेकिन समर्पित कार्यकर्ताओं के दम पर पार्टी ने आज एक मजबूत पहचान बनाई है। शाह ने स्पष्ट किया कि बीजेपी का अंतिम लक्ष्य केवल जीत नहीं, बल्कि केरल में अपनी सरकार बनाना और भाजपा का मुख्यमंत्री लाना है।

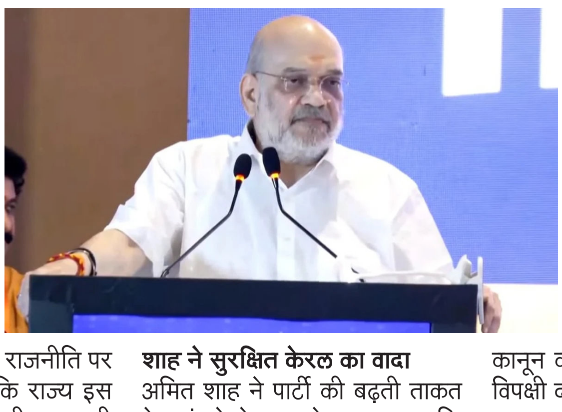

शाह ने केरल की मौजूदा राजनीति पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य इस वक्त एलडीएफ और यूडीएफ की 'मिलीभगत' के कारण ठहराव के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों पार्टियों ने बारी-बारी से सत्ता में आकर भ्रष्टाचार करने का गुप्त समझौता कर लिया है। उनके अनुसार, केरल का भविष्य इन दोनों के साथ सुरक्षित नहीं है, क्योंकि वे राज्य की परंपराओं और विकास की रक्षा करने में विफल रहे हैं।

शाह ने सुरक्षित केरल का वादा

अमित शाह ने पार्टी की बढ़ती ताकत के आंकड़े पेश करते हुए बताया कि 2014 में बीजेपी का वोट शेयर 11% था, जो 2019 में 16% और 2024 में बढ़कर 20% के पार पहुंच गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि जिस तरह पार्टी ने दो सीटों से शुरू करके केंद्र में तीसरी बार सरकार बनाई और असम जैसे राज्यों में जीत हासिल की, वही इतिहास केरल में भी दोहराया जाएगा।

एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना

गृह मंत्री ने एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल वोटबैंक की राजनीति के कारण PFI और SDPI जैसे संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने से डरते हैं। उन्होंने कहा कि केवल बीजेपी ही केरल को ऐसी राष्ट्रविरोधी ताकतों से बचा सकती है। शाह ने तीन तलाक कानून का उदाहरण देते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने तुष्टीकरण की नीति के तहत इसका विरोध किया, जबकि बीजेपी 'सभी के लिए न्याय, किसी का तुष्टीकरण नहीं' के सिद्धांत पर चलती है।

ओडिशा की भाजपा सरकार ने किसानों के साथ धोखा किया: नवीन पटनायक

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने ओडिशा सरकार पर किसानों के साथ ''धोखा'' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों को अपनी धान की फसल सरकारी मंडियों में बेचने के लिए खुले आसमान के नीचे ठंडी रातें बिताने को मजबूर होना पड़ रहा है।

पटनायक ने शनिवार को सोशल मीडिया पर आरोप लगाया, ''राज्य में धान खरीद की पूरी व्यवस्था चरमरा गई है। इससे किसान शोषित और बेबस महसूस कर रहे हैं और सरकार से ही निराश हो गए हैं। कड़ाके की ठंड में किसान मंडियों में अपनी मेहनत की फसल की रखवाली करते हुए रातें गुजार रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि अब किसान राष्ट्रीय राजमार्गों पर प्रदर्शन कर रहे हैं और धान की सुचारू खरीद की मांग कर रहे हैं। पटनायक ने सवाल किया, ''आखिर सरकार किसानों का धान कब खरीदेगी?''

उन्होंने ये आरोप एक दिन पहले भी लगाए थे और 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नीति को लेकर लोगों को हो रही परेशानियों के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। पटनायक ने आरोप लगाया कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नियमों को लागू करने में पूरी तरह नाकाम रही है।

उन्होंने कहा, ''भाजपा की डबल इंजन सरकार किसानों से कई वादे करके सत्ता में आई थी। लेकिन सत्ता में आने के बाद क्या वे सारे वादे बेकार हो गए? धान खरीद पर बोनस देने की घोषणा से लेकर किसानों को सपने दिखाने तक, सरकार ने हर कदम पर किसानों को निराश ही किया है।

'गुवाहाटी हाईकोर्ट के नए कोर्ट कॉम्प्लेक्स पर विरोध पूरी तरह गलत', सीजेआई सूर्यकांत की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सीजेआई सूर्यकांत ने असम के नॉर्थ गुवाहाटी में बनने वाले नए इंटीग्रेटेड ज्यूडिशियल कोर्ट कॉम्प्लेक्स का विरोध किए जाने पर हैरानी जताई है। उन्होंने रविवार को इस परियोजना की आधारशिला रखी। सीजेआई ने साफ कहा कि व्यक्तिगत स्वार्थ या निजी हित किसी भी हाल में नए इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को रोकने का कारण नहीं बन सकते। उन्होंने कहा कि जो लोग इस नए कोर्ट परिसर का विरोध कर रहे हैं, वे पूरी जानकारी के बिना विरोध कर रहे हैं।

सीजेआई ने गुवाहाटी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के विरोध का जिक्र करते हुए कहा कि व्यक्तिगत हित या सुविधा किसी भी तरह से न्यायिक ढांचे के विकास में बाधा बनने का कारण नहीं हो सकते। दरअसल, गुवाहाटी हाईकोर्ट के लिए एक नया कोर्ट कॉम्प्लेक्स बनाए जाने की योजना है। इसे लेकर बार एसोसिएशन के कुछ वकील विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे उन्हें असुविधा हो सकती है।

भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा कॉम्प्लेक्स

सीजेआई ने आगे इस बात पर भी जोर दिया कि नॉर्थ गुवाहाटी के रंगमहल इलाके में बनने वाला यह नया कोर्ट कॉम्प्लेक्स भविष्य की जरूरतों और उम्मीदों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। इसमें गुवाहाटी हाईकोर्ट भी शामिल होगा और सभी जरूरी सुविधाएं एक ही जगह मिलेंगी।

बार एसोसिएशन के विरोध पर सवाल

सीजेआई ने कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि गुवाहाटी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इस नए कोर्ट कॉम्प्लेक्स का विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं, वे या तो पूरी जानकारी नहीं रखते या फिर नए वकीलों और भविष्य की जरूरतों को नहीं समझ रहे।

नई पीढ़ी के वकीलों की जरूरत

सीजेआई ने अंत में कहा कि देश की न्यायपालिका के प्रमुख होने के नाते उनकी जिम्मेदारी है कि वे नए वकीलों और आने वाली पीढ़ी की जरूरतों को ध्यान में रखें। मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि नया कोर्ट परिसर रणनीतिक रूप से सही जगह पर बनाया जा रहा है, जहां बेहतर सुविधाएं, आधुनिक ढांचा और सुगम व्यवस्था होगी।

'संघ धीरे-धीरे विकसित हो रहा, नए रूप ले रहा है', दिल्ली में आरएसएस के कार्यक्रम में बोले मोहन भागवत

नई दिल्ली। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है और बस सामने आ रहा है। मोहन भागवत दिल्ली स्थित संगठन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। जहां आने वाली फिल्म 'शतक' के गाने के एल्बम को लॉन्च किया गया। यह फिल्म आरएसएस के 100 साल के सफर की कहानी बताती है।

संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है: संघ प्रमुख

आरएसएस प्रमुख भागवत ने अपने संबोधन में कहा, 'संगठन अपनी शताब्दी मना रहा है। लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। हालांकि यह असल में बदल नहीं रहा है बस धीरे-धीरे सामने आ रहा है।' बता दें कि इस मौके पर सिंगर सुखविंदर सिंह, डायरेक्टर आशीष मल्ल, को-प्रोड्यूसर आशीष तिवारी और आरएसएस पदाधिकारी भैयाजी जोशी मौजूद रहे।

संघ को लेकर दिया ये उदाहरण

उन्होंने आगे कहा, 'जैसे एक बीज से अंकुर निकलता है और फलों और फूलों से लदा हुआ परिपक्व पेड़ का एक अलग रूप होता है, ये दोनों रूप अलग-अलग हैं। फिर भी पेड़ मूल रूप से उसी बीज जैसा है, जिससे वह उगा है।' भागवत ने कहा कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार एक 'जन्मजात देशभक्त' थे और उन्होंने बचपन में ही अपना जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया था।

'संघ और डॉक्टर साहब पर्यायवाची शब्द'

उन्होंने कहा, 'संघ और डॉक्टर साहब (हेडगेवार) पर्यायवाची शब्द हैं। वो जब सिर्फ 11 साल के थे, जब उनके माता-पिता का प्लेग से निधन हो गया था, लेकिन उन्हें उस उम्र में या बाद में भी, बात करने या भरोसा करने वाला कोई नहीं मिला। मोहन भागवत ने कहा कि जब इतनी कम उम्र में इतना बड़ा सदमा लगता है, तो इंसान अकेला हो जाता है और उसके स्वभाव और व्यक्तित्व पर बुरा असर पड़ने का खतरा रहता है, लेकिन हेडगेवार के साथ ऐसा नहीं हुआ।'

सम्पादकीय

वेनेजुएला कार्रवाई से बदला वैश्विक सत्ता संतुलन

अमेरिका के पांचवें राष्ट्रपति की ओर से मोनरो सिद्धांत की घोषणा के दो सौ वर्ष बाद, और इसकी शक्ति एवं प्रभावशीलता पर व्यापक संदेह के बावजूद वहां के 47वें राष्ट्रपति ने इस सिद्धांत का आह्वान किया। मुझे लगता है कि वर्तमान परिस्थितियों की कल्पना 1823 में भी नहीं की गई थी।

राष्ट्रपति जेम्स मोनरो के नाम पर बनाए गए इस सिद्धांत ने यूरोपीय शक्तियों को अमेरिकी महाद्वीप में नव स्वतंत्र राष्ट्रों के मामलों में हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी थी। दो जनवरी, 2026 की रात को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सिद्धांत के हर बुनियादी नियम का उल्लंघन किया। उन्होंने अमेरिका की सैन्य शक्ति का इस्तेमाल करते हुए एक संप्रभु देश पर आक्रमण किया, वहां निर्वाचित राष्ट्रपति को बंदी बनाया और उन्हें न्यूयार्क की एक आपराधिक अदालत में मुकदमे के लिए ले गए। यह मोनरो सिद्धांत का एक आश्चर्यजनक विस्तार था।

किसी भी विदेशी शक्ति ने वेनेजुएला के मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया था। वेनेजुएला की जनता ने निकोलस मादुरो को राष्ट्रपति चुना था, हालांकि चुनाव परिणाम को लेकर बड़ा विवाद हुआ था। मादुरो ने भले ही अलोकतांत्रिक और सत्तावादी रुख अपना लिया हो, लेकिन ऐसा करने वाले वे पहले निर्वाचित शासक नहीं हैं।

इस नए सिद्धांत को बुश-ट्रंप सिद्धांत कहना उचित होगा। इसका सबसे करीबी उदाहरण पनामा में अमेरिकी हस्तक्षेप (1989) था। राष्ट्रपति जार्ज बुश सीनियर के नेतृत्व में अमेरिकी सेना ने पनामा पर आक्रमण किया, वहां की सेना को हराया, राष्ट्रपति नोरिएगा को वेटिकन दूतावास में शरण लेने के लिए मजबूर किया और अंततः उन्हें आत्मसमर्पण करने पर विवश किया। अमेरिका का घोषित लक्ष्य पनामा में सत्ता परिवर्तन था। इस सैन्य कार्रवाई के साथ अमेरिका इस क्षेत्र का नया सरदार बन गया।

राष्ट्रपति बुश जूनियर ने इराक में अपना प्रभुत्व दिखाया और तीन राष्ट्रपतियों (बुश जूनियर, ओबामा और ट्रंप) ने क्रमशः अफगानिस्तान में अपने प्रभुत्व की छाप छोड़ी। इराक (2003) के मामले में डब्लूएमडी रखने का झूठा खतरा गढ़ा गया और अफगानिस्तान (2001-2021) के मामले में अल कायदा और तालिबान शासन के विरुद्ध 'आतंकवाद के खिलाफ युद्ध' के नाम पर सेना भेजी गई। दोनों युद्ध विफल साबित हुए।

वेनेजुएला के ताजा मामले में अमेरिका ने राष्ट्रपति मादुरो पर मादक पदार्थों की तस्करी और अमेरिका में नशीले पदार्थ पहुंचाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है, लेकिन ये ऐसे आरोप हैं जिनका अभी भी कोई सार्वजनिक प्रमाण सामने नहीं आया है।

ट्रंप के बयानों से स्पष्ट है कि वेनेजुएला के तेल भंडार पर नियंत्रण का लक्ष्य हासिल करने के लिए मादुरो को निशाना बनाया गया। वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है और वह तेल निर्यात, हथियार आयात तथा विदेशी निवेश के लिए चीन की ओर रुख कर रहा था। अमेरिका यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है कि कोई भी अन्य देश वेनेजुएला में आर्थिक हित हासिल न कर सके।

चार घंटे तक चले एब्सोल्यूट रिजाल्व नामक इस अभियान ने अमेरिकी सशस्त्र बलों की असाधारण तकनीक और खुफिया क्षमता का प्रदर्शन किया। आधी रात को किसी दूसरे देश में घुसकर राष्ट्रपति को बिना नुकसान हिरासत में लेना अब कल्पना नहीं रह गया है।

एब्सोल्यूट रिजाल्व से पहले और बाद में भारत पर किसी का ध्यान नहीं गया। ट्रंप अपने दावों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो बार झटका दे चुके हैं। सरकार ने वेनेजुएला पर जारी बयान में न तो मादुरो की गिरफ्तारी की निंदा की और न ही अमेरिका की भूमिका का उल्लेख किया।

इस मुद्दे पर भारत ब्रिक्स के संस्थापक देशों और यूरोप के बीच अलग-थलग पड़ गया है। विश्वगुरु के दावों के बावजूद भारत वैश्विक मामलों में अपनी आवाज खोता दिख रहा है।

मुझे डर है कि यह अभियान रूस और चीन को भी खुली छूट देता है। ट्रंप ग्रीनलैंड, रूस यूक्रेन और चीन ताइवान को लेकर संकेत दे चुके हैं। भारत को भविष्य में अपनी सुरक्षा खुद सुनिश्चित करनी होगी।

सोमनाथ से 2047 तक, नेहरू बनाम मोदी की वैचारिक लड़ाई में भारत की असली पहचान क्या है?

पंडित जवाहर लाल नेहरू और नरेंद्र मोदी का एक-दूसरे के आमने-सामने हो जाना वैचारिक बहस की नियति है। यही सोमनाथ मंदिर के सवाल पर हो रहा है। 1026 ईस्वी में मोहम्मद गजनी ने इसका विध्वंस किया था। अब एक हजार साल बाद 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी भागीदारी महज कर्मकांड नहीं होकर वैचारिक प्रतिबद्धता के साथ है। पचहत्तर वर्ष पूर्व 1951 में सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ था, तब नेहरू उस पुनर्निर्माण के विरुद्ध थे। नेहरू का विरोध कर्मकांड नहीं था। उनकी भी अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता थी।

सोमनाथ मंदिर का धार्मिक महत्त्व एक ज्योतिर्लिंग के रूप में है, लेकिन वैचारिक महत्त्व 'भारत के विचार' की परिभाषा से भी जुड़ा है। देश के दो प्रधानमंत्रियों का एक-दूसरे से विपरीत राय रखना भारतीयता के दो दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व माना जा सकता है। नेहरू क्यों इसके विरोध में थे? इस प्रश्न का उत्तर उन्होंने स्वयं एक अगस्त 1951 को मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र में दिया है। वे कहते हैं, 'इस देश में बहुत कम लोग यह समझते हैं कि भारत के सांप्रदायिक संगठनों के कारण विदेशों में हमारी साख को कितनी गहरी क्षति पहुंचती है, क्योंकि ये संगठन ठीक उन्हीं प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें पश्चिमी मानसिकता अत्यंत नापसंद करती है और समझ नहीं पाती। हाल ही में सोमनाथ मंदिर का बड़े ठाठ-बाट और समारोह के साथ उद्घाटन विदेश में भारत और उसके घोषित आदर्शों के बारे में अत्यंत नकारात्मक प्रभाव छोड़ गया है।'

यह बात सामान्य बुद्धि के परे है कि कोई समाज आक्रांता द्वारा विखंडित किए गए मंदिर या ऐतिहासिक स्थल का पुनर्निर्माण करता है, तो वह सांप्रदायिक मान लिया जाएगा। नेहरू की दलील के पीछे हिंदू-मुसलिम सवाल था। संभवतः गजनी के संप्रदाय से उन्होंने समकालीन भारत के मुसलमानों से जोड़ने का प्रयास किया या धार्मिक स्थल के पुनर्निर्माण में राज्य की भूमिका को धर्मनिरपेक्षता की परिभाषा के प्रतिकूल माना। दोनों ही तर्क अविवेकपूर्ण हैं। तभी तो स्वयं उन्हें अपने दल और मंत्रिमंडल में अलग-थलग होना पड़ा था। सरदार पटेल, केएम मुंशी, एनवी गाडगिल जैसे वरिष्ठ मंत्री इस जीर्णोद्धार अभियान के सूत्रधार थे। मुंशी और गाडगिल तो सोमनाथ ट्रस्ट के सदस्य थे और स्वयं राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद इसके वित्तीय मामलों की देखरेख कर रहे थे।

दो मई 1951 को सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर राजेंद्र प्रसाद ने जो कहा, वह वैचारिक बहस की बुनियाद है जो अब तक ठंडे बस्ते में बंद था। राजेंद्र प्रसाद के शब्दों में, 'अपनी राख से फिर उठ खड़ा होकर यह सोमनाथ मंदिर दुनिया के सामने यह घोषणा कर रहा है कि जिस वस्तु के प्रति लोगों के हृदय में असीम श्रद्धा और प्रेम होता है, उसे कोई व्यक्ति और कोई शक्ति कभी नष्ट नहीं कर सकती।'

आज हमारा प्रयास इतिहास को सुधारने का नहीं है। हमारा एकमात्र उद्देश्य फिर से यह घोषित करना है कि हम उस आस्था, विश्वास और उन मूल्यों के प्रति दृढ़ रूप से जुड़े हुए हैं, जिन पर हमारा धर्म अनादि काल से आधारित रहा है। नेहरू चूक गए कि गजनी सिर्फ आक्रांता नहीं था, बल्कि एक विशिष्ट दृष्टिकोण का प्रतिनिधि था, जिसमें तर्क और ताकत दोनों का उपयोग एकरूपता स्थापित करने के लिए किया जाता है।

इसके प्रतिकूल भारतीय सभ्यता प्रयोगधर्मी रही है, जिसे अनुकूल और प्रतिकूल दोनों ही परिस्थितियों में लोगों ने विस्मृत होने नहीं दिया। यही प्रयोगधर्मी स्वभाव बहुलता, विविधता एवं चेतना की असीमित स्वतंत्रता की जननी है। अर्थात आस्था और विवेकवाद दोनों ही समांतर तथा एक-दूसरे के पूरक के रूप में अस्तित्व में रहते हैं। इसी को समझ कर जर्मन विद्वान मैक्समूलर ने लिखा था, 'भारत : हमें क्या सिखाता है?'

पश्चिम के मापदंड के आधार पर भारत कब राष्ट्र बना, यह हमारी चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। हम अपने मापदंड से कब से और कैसा राष्ट्र रहे हैं, यह विमर्श का मूल विषय है। यह श्रेय नरेंद्र मोदी को जाता है कि उन्होंने भारत की भूमिका में बुनियादी परिवर्तन किया है। राज्य सभ्यता एवं संस्कृति के प्रश्नों पर उदासीन नहीं रह सकता है। इसलिए वे सभी सूक्ष्म या स्थूल सांस्कृतिक विषय से राज्य एवं राज्यों की एजेंसियों से जोड़ते हैं।

प्रश्न उठता है कि क्या ऐसा करना संप्रदायनिष्ठ होना है या नहीं? इसके उत्तर की खोज ही वैचारिक बहस है। भारतवर्ष चौहद्दी से अधिक संस्कृति और सभ्यता के आयामों से पहचान में रहा है। इसमें स्वतंत्र चेतना अबाधित रही है। मगर दूसरे के अस्तित्व की नैतिक और नीतिगत वैधानिकता स्वीकार की जाती है। यही भारत की वैचारिक निरंतरता का सार है। नरेंद्र मोदी इसके अनुकूल भारतीय राज्य को प्रोत्साहित करते हैं। जहां नेहरू सोमनाथ के जीर्णोद्धार में संकोच महसूस कर रहे थे, मोदी के शब्दों में, 'मैं पूरे विश्वास और स्पष्टता के साथ यह कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की कहानी, पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी, विनाश की कहानी नहीं है। यह भारत माता की करोड़ों संतानों की अटूट आस्था और अदम्य साहस की कहानी है।'

यह संकीर्ण सवाल नहीं है। यह एक वैश्विक स्तर पर सभ्यताई राष्ट्र की कल्पना को साकार करने की भारतीय जिजीविषा है, जो कभी समाप्त नहीं हो सकती। अंततः बात इस प्रश्न पर सिमट जाती है कि भारत अपनी पहचान, अपनी संस्कृति और सभ्यता अर्जित करेगा या पश्चिम के आईने में उनके अनुकूल ढलेगा? नेहरू पश्चिम जगत के अनुकूल और मोदी भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतिबद्धता पर टिकी दो विचारधाराओं के प्रतिनिधि हैं। इस बहस का चलना ही हमारी जीवंतता है।

कुछ बातें भूल जाइए, लोगों को माफ कर दीजिए, मन भी हल्का होगा, जिंदगी भी

कुछ समय पहले सोशल मीडिया वेबसाइट देखते हुए नफरत से भरे संदेशों को देखकर किसी का भी मन परेशान हो सकता है। ऐसे संदेश के भीतर का मनोविज्ञान समझने पर ऐसा लगता है कि आज के दौर में मनुष्य के मन में घृणा और कट्टरता हावी हो चली है। क्या इतनी घृणा या असहिष्णुता चिंता की बात नहीं? किसी व्यक्ति, समाज या समुदाय के प्रति इस स्तर की कट्टरता या द्वेष रखने पर क्या व्यक्ति मनुष्य कहलाने का अधिकारी रह जाता है? सर्वोच्च शिक्षित व्यक्ति के मन में भी अगर इतनी नफरत है, तो समझा जा सकता है कि अल्पशिक्षित व्यक्ति किस स्तर की कट्टरता और घृणा अपने मन में लेकर बैठा हो सकता है? हालांकि कई बार अनपढ़ माने जाने वाले लोग ही मानवता और संवेदना बचाते देखे गए हैं। ऐसा लगता है कि शैक्षणिक स्तर तो बढ़ रहा है, लेकिन मनुष्यता का स्तर गिरता प्रतीत होता है। ये कैसी शिक्षा है जो व्यक्ति को व्यवहारिकता के निम्नतम स्तर की तरफ लेकर जा रही है?

सोशल मीडिया, इंटरनेट, अनेक नेटवर्किंग वेबसाइट का उद्देश्य लोगों को जोड़ना, उनमें स्नेह का भाव बढ़ाना, अप्रत्यक्ष रूप से उनके बीच स्नेहमयी व्यवहार में वृद्धि करना होना चाहिए था, लेकिन आज के दौर में इसके उलट हो रहा है। सोशल मीडिया पर तस्वीरें डालना तो युद्ध जैसा हो गया है। व्यक्ति दूसरे को नीचा दिखाने के उद्देश्य से मानो यह कहने को तत्पर है कि वह दूसरों से श्रेष्ठ, धनवान और कहीं अधिक सामर्थ्यवान है। यह मनोविकृति का द्योतक है, जिसमें व्यक्ति को दूसरों को नीचा या कमतर दिखाकर खुशी मिल रही है। ऐसा लगने लगा है कि मनुष्य शब्दों और चित्रों का उपयोग सिर्फ शाब्दिक या दृश्य हिंसा करने के लिए करने लगा है। यह स्थिति विस्फोटक है।

अगर व्यक्ति अपने अहंकार या सोशल मीडिया पर जहर बुझे शब्दों के चलते सभी से रिश्ते तोड़ता चला जाएगा तो फिर जुड़ा किससे रह सकेगा? कहीं यह आने वाले समय में एकाकी समाज की दस्तक तो नहीं, जिसमें व्यक्ति अपने आप में एकदम तन्हा और अकेला रह जाए?

अगर मन में घृणा या असहिष्णुता आ भी जाए, तो व्यक्ति को क्षमा करने का भाव विकसित करना चाहिए। उसे असहिष्णु नहीं बनना चाहिए। असहिष्णु या घृणा भाव से भरा व्यक्ति अक्सर यह मानता है कि अगर वह किसी को माफ नहीं करेगा, तो सामने वाले को कष्ट होगा। सच इसके उलट है। जब व्यक्ति द्वेष और घृणा के कारण किसी को क्षमा नहीं करता और शाब्दिक विष वमन करता रहता है, तो असली कष्ट उसी को होता है। किसी को क्षमा न करके या दुर्वचन से व्यक्ति उस घटना के दुख या नकारात्मकता को अपने अंदर भर लेता है। ऐसा करना व्यक्ति को कमजोर और निराश बनाता है।

इसलिए क्षमा करना और बात को भुलाना सीखना उचित है। किसी को क्षमा करने का यह अर्थ नहीं कि व्यक्ति सामने वाले पर कृपा या दया कर रहा है। वास्तविक बात यह है कि किसी को क्षमा करके व्यक्ति खुद नकारात्मकता और पीड़ा के भार से मुक्त होता है। क्षमा खुद के भले के लिए की जाती है, न कि सामने वाले के भले के लिए। इसलिए भूलना सीखना चाहिए।

नया साल केवल तारीख नहीं, सोच बदलने और जिंदगी को नई शुरुआत देने का अवसर है; कुछ भूलें और कुछ नया करें

अगर घृणा मिट नहीं रही हो, तो पत्र लेखन करना चाहिए। पत्र में बताना चाहिए कि मूल कष्ट क्या है। वह कष्ट क्यों हुआ और सोशल मीडिया पर शाब्दिक हिंसा का क्या कारण था। यह लिखकर सामने वाले को क्षमा कर देना उचित है। पत्र सामने वाले पक्ष को दिया जाना या नष्ट करना व्यक्ति के अधिकार क्षेत्र में है, लेकिन इसका लेखन मन के गुबार और द्वेष को निकाल देता है। मन का गुबार निकलने पर क्षमा करना आसान हो जाता है।

क्षमा करने का भाव विकसित करने के लिए व्यक्ति को उन लोगों की सूची बनानी चाहिए, जिनसे शिकायत है। यह लिखना चाहिए कि किस आदत के चलते क्षमा करना मुश्किल हो रहा है। अधिकांश मामलों में शिकायत से बड़ा होता है व्यक्ति का अहंकार और सूची देखते ही व्यक्ति समझ जाता है कि उसने अपने अहं के चलते अधिकतर बंधुओं से संबंध बिगाड़ लिए हैं। इसके बाद रिश्तों के निर्माण के लिए व्यक्ति फिर विचार करने लगता है।

ईर्ष्यालु व्यक्ति को दूसरों की खुशी, श्राप या खुले घाव की तरह पीड़ादायक लगती है। उसे सहन ही नहीं होता कि कोई उससे आगे बढ़े। जब कोई आगे बढ़ता है तो ईर्ष्यालु व्यक्ति के मस्तिष्क का जहर गर्म हो जाता है और उसे षड्यंत्र सूझने लगते हैं। ऐसे में इनसे बचाव का एक ही तरीका है कि ईर्ष्या पैदा ही न होने दी जाए।

घृणा होने पर समझाया जाए कि जीवन बहुत छोटा और पानी का बुलबुला मात्र है। मनुष्य इस छोटी-सी बात को नहीं समझ पा रहा कि सहयोग, सत्कार, प्रेम और आपस में समन्वय स्थापित करने में ही जीवन का आनंद छिपा है। छोटे से इस जीवन की अवधि का अधिकांश हिस्सा अगर परस्पर घृणा करने, लड़ाई लड़ने, हानि पहुंचाने, दूसरों को परेशान करके खुद भी परेशान होने में बिता दिया तो फिर जीवन कब जी पाएंगे?

समस्या ये है कि व्यक्ति समाज से, प्रकृति से, साहित्य से कट-सा गया है और मोबाइल की आभासी दुनिया में बेवजह व्यस्त है। इस कारण व्यक्ति मानो अंदर से सूख गया है और यही घृणा और द्वेष का कारण है। क्षमादान से, उत्तम स्वाध्याय से तथा छोटी बातों पर अधिक ध्यान न देकर मन के जहर को निकाला जा सकता है। यही जीने का सलीका है।

देश की खेती महिलाओं के भरोसे है, फिर कृषि शोध और नए मॉडल की दिशा कोई और क्यों करता है तय?

देश में खेती-बागवानी में महिलाओं की भूमिका अहम है। फसलों की बुआई से लेकर कटाई तक और मौसम की आहट को समझने का महिलाओं का अनुभव, ये सब मिलकर भारतीय कृषि को आगे बढ़ाता है। मगर विडंबना यह है कि जब खेती के ज्ञान-विज्ञान और नीति की बात आती है, तब महिला की मौजूदगी कमजोर पड़ जाती है। खेत में सबसे अधिक श्रम देने वाली महिला, कृषि-विज्ञान और निर्णय प्रक्रिया में हाशिये पर चली जाती है। यही भारतीय कृषि की सबसे गहरी और अनदेखी असमानता है।

देश में कृषि कार्यबल का बड़ा हिस्सा महिलाओं का है। ग्रामीण भारत में अधिकांश महिलाएं किसी न किसी रूप में खेती से जुड़ी हैं। वे फसल बोती हैं, उनकी देखरेख करती है, फसल काटती हैं, पशु संभालती हैं, बीज सहेजती हैं, अनाज सुखाती हैं और खाद्य प्रसंस्करण करती हैं। इसके बावजूद उनका योगदान सिर्फ श्रम के खाते में दर्ज होता है, ज्ञान के खाते में नहीं। कृषि ऋण, बीमा, तकनीक और बाजार तक भी महिलाओं की पहुंच सीमित रहती है। कृषि से जुड़े फैसले अब भी पुरुष प्रधान ढांचों में लिए जाते हैं। यही कारण है कि कृषि-विज्ञान, शोध और नवाचार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षा से बहुत कम दिखाई देती है।

कृषि विश्वविद्यालयों में नामांकन के आंकड़े पहली नजर में आश्वस्त करते हैं। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर छात्राओं की संख्या लगभग बराबरी पर पहुंच चुकी है। मगर यह समानता सतही है। डिग्री हासिल करने के बाद शोध संस्थानों, विस्तार सेवाओं, कृषि प्रौद्योगिकी कंपनियों और नीति निर्माण से जुड़े मंचों पर महिलाओं की उपस्थिति तेजी से घट जाती है। कई बार पारिवारिक जिम्मेदारियां, आर्थिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाएं उनके रास्ते रोक लेती हैं। नतीजा यह होता है कि खेत में काम करने वाली महिलाओं की वास्तविक जरूरतें शोध का हिस्सा नहीं बन पातीं।

उनके शरीर के अनुकूल औजार, उनके समय को समझने वाली तकनीक और उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखने वाले नवाचार विकसित नहीं हो पाते। इतना ही नहीं, ग्रामीण महिला किसान का जीवन केवल खेत तक सीमित नहीं रहता। पानी भरना, ईंधन जुटाना, भोजन पकाना, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल, पशुओं की जिम्मेदारी इन सबका भार उनकी दिनचर्या में जुड़ा रहता है। यह दोहरा बोझ उनके सीखने और आगे बढ़ने के अवसरों को सीमित कर देता है।

लगातार झुकी हुई मुद्रा में काम करने से होने वाले स्वास्थ्य प्रभाव, थकान और समय की कमी को कृषि नीति तथा विज्ञान की बहसों में अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। ऐसे में जब विज्ञान जीवन से कट जाता है, तब उसका लाभ भी सीमित रह जाता है। ग्रामीण महिलाओं के पास पारंपरिक कृषि ज्ञान की अपार संपदा है। मौसम के संकेत, मिट्टी की प्रकृति, बीजों की गुणवत्ता, फसलों की विविधता यह सब अनुभव से अर्जित विज्ञान है।

यदि इस ज्ञान को औपचारिक शिक्षा और आधुनिक शोध से जोड़ा जाए, तो कृषि नवाचार अधिक व्यावहारिक, मानवीय और टिकाऊ बन सकता है। इसलिए कृषि-विज्ञान में महिलाओं की भागीदारी किसी सामाजिक संवेदना का प्रश्न नहीं, बल्कि कृषि की गुणवत्ता और भविष्य से जुड़ा रणनीतिक मुद्दा है। कर्नाटक के कोलार की एक युवती इसका सशक्त उदाहरण है। छोटे किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाली इस युवती ने फसल की कटाई के बाद होने वाले नुकसान को खेत में खड़े होकर महसूस किया। वही अनुभव उनके शोध की दिशा बना।

अब वह आम उत्पादकों के लिए ऐसी तकनीक पर काम कर रही हैं, जिससे फसल नुकसान कम हो और आय बढ़े। यह शोध प्रयोगशाला की कल्पना नहीं, बल्कि खेत की वास्तविक जरूरत से निकला समाधान है। ऐसे ही देश भर में और भी कई युवतियां शोध तथा खेत के बीच की दूरी कम करने के लिए प्रयासरत हैं।

स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने के बाद कई युवतियां कृषि में शोध और नवाचार के कार्यों से जुड़ना चाहती हैं, लेकिन आर्थिक और सामाजिक बाधाएं उनका रास्ता रोक देती हैं। सीमित आय के कारण उच्च शिक्षा उनके लिए दूर का सपना बन जाती है। प्रवेश शुल्क, छात्रावास और पाठ्यक्रम से जुड़ी लागत उनके सामने बड़ी बाधा बन जाती है।

फसल विविधता और सतत खेती के माध्यम से ग्रामीण जीवन को अधिक सुरक्षित एवं टिकाऊ बनाने के लिए खेती में महिलाओं के अनुभव को शोध एवं नवाचार से जोड़े जाना बेहद जरूरी है। कोर्टेवा एग्रीसाइंस, दक्षिण एशिया के अध्यक्ष सुब्रत गीड के अनुसार, भारत में किसान परिवारों की अनेक बेटियों को उच्च शिक्षा इसलिए छोड़नी पड़ती है, क्योंकि शुल्क, छात्रावास और पुस्तकों का खर्च उनकी आर्थिक क्षमता से बाहर होते हैं।

ऐसे में मेधा-आधारित छात्रवृत्तियों का विस्तार, महिला विद्यार्थियों के लिए अवसर बढ़ाना और समुदाय-आधारित प्रशिक्षण को शिक्षा से जोड़ना इस प्रतिभा-श्रृंखला को बनाए रखने में मदद करता है। जब कृषि में काम करने वाली महिलाओं को ज्ञान, कौशल और अवसर मिलते हैं, तब उसका लाभ कुछ लोगों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा कृषि समुदाय मजबूत होता है। यानी सही समय पर मिला सहयोग प्रतिभा को टूटने से बचा सकता है।

इसी संदर्भ में कृषि क्षेत्र में महिलाओं के लिए चलाए जा रहे छात्रवृत्ति कार्यक्रमों का महत्त्व समझा जाना चाहिए। इनका उद्देश्य केवल शुल्क भरना नहीं, बल्कि छात्राओं को अवसर देना, शोध और नवाचार में उनकी निरंतर उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा कृषि-विज्ञान में उनका नेतृत्व विकसित करना है।

ऐसी पहल यह संदेश देती हैं कि ग्रामीण पृष्ठभूमि की बेटियां भी प्रयोगशालाओं, शोध संस्थानों और नीति मंचों तक पहुंच सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र की ओर से वर्ष 2026 को 'अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष' घोषित किया जाना इसी दिशा में वैश्विक स्वीकारोक्ति है। इस घोषणा से पता चलता है कि महिलाएं केवल कृषि की लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण समृद्धि और जलवायु अनुकूलन की वाहक भी हैं।

भारत में पुरुषों के शहरों की ओर बढ़ते पलायन से खेती की जिम्मेदारी तेजी से महिलाओं पर आ रही है, पर इस जिम्मेदारी के साथ उन्हें अधिकार और संसाधन नहीं मिल पाए हैं। यही असंतुलन भविष्य के लिए चुनौती बनता जा रहा है। हालांकि, सरकारी स्तर पर कई तरह की पहल शुरू की गई हैं, जिनमें महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना, कृषि मशीनीकरण से जुड़ी योजनाएं, स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा और ग्रामीण महिला उद्यमिता कार्यक्रम शामिल हैं।

ये कार्यक्रम दिशा तो दिखाते हैं, पर इनका असर तभी होगा, जब शिक्षा और नेतृत्व को केंद्र में रखा जाएगा। जलवायु परिवर्तन ने कृषि की चुनौतियों को और भी गंभीर बना दिया है। सूखा, बाढ़ और अनिश्चित मौसम का सबसे गहरा असर महिला किसानों पर पड़ता है। इसलिए जलवायु-अनुकूल खेती, फसल विविधता और बाजार से सीधा जुड़ाव उनके लिए विकल्प नहीं, आवश्यकता बन चुके हैं।

किसान दिवस जैसे अवसर केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित नहीं रहने चाहिए। कृषि में महिलाओं की शिक्षा पर किया गया निवेश पूरे ग्रामीण समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। जब खेत की मिट्टी से निकली बेटी प्रयोगशाला में खड़ी होती है, तब विज्ञान को असल जमीन मिलती है। यही जमीन देश की कृषि को अधिक संवेदनशील, टिकाऊ और सुरक्षित भविष्य की ओर ले जा सकती है।

माघ मेला क्षेत्र में आज़ाद रीड्स और आर/इलाहाबाद की अनोखी पहल : 800 से अधिक लोगों को कराया गया भंडारा

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में आज़ाद रीड्स और शहर के ऑनलाइन समुदाय आर/इलाहाबाद के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 11 जनवरी को एक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 800 से 1000 श्रद्धालुओं, यात्रियों और स्थानीय लोगों ने भोजन ग्रहण किया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने और समुदाय द्वारा समाज को कुछ लौटाने की भावना का सशक्त प्रतीक बनकर सामने आया।

इस भंडारे की सबसे खास बात यह रही कि इसे आयोजित करने वाले अधिकांश लोग एक-दूसरे के लिए पहले अजनबी थे। आज़ाद रीड्स के संस्थापक राघव ने इस संदर्भ में कहा, 'यह देखकर हैरानी होती है कि 30-40 अनजान लोग एक साथ मिलकर 800 से अधिक लोगों को भोजन करा पाए। यह पूरी तरह एक सामूहिक प्रयास है, जिसने इस आयोजन को सफल बनाया। किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि हर छोटे-बड़े योगदान का इसमें बराबर का हिस्सा रहा।'

आयोजन की योजना से लेकर क्रियान्वयन तक, हर स्तर पर आपसी सहयोग और समन्वय देखने को मिला। भोजन की व्यवस्था, पंगत, स्वच्छता और सेवा कार्य में स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ भाग लिया। माघ मेले जैसे विशाल आयोजन स्थल पर इतनी बड़ी संख्या में लोगों को सुव्यवस्थित ढंग से भोजन कराना अपने आप में एक चुनौती थी,

जिसे इस समूह ने सामूहिक प्रयास से सफलतापूर्वक पूरा किया।

यह भंडारा गंगा-जमुनी तहज़ीब का भी एक जीवंत उदाहरण बना। रेडिट समुदाय की ओर से सैयद हसन अब्बास और आज़ाद रीड्स की ओर से ज़ीशान एवं अंकित इस पूरे प्रोजेक्ट के मुख्य आयोजक रहे। अलग-अलग सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आए लोगों का एक साझा उद्देश्य के लिए साथ आना प्रयागराज की समावेशी संस्कृति और आपसी सौहार्द को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि आज़ाद रीड्स एक पठन-पाठन आधारित सामुदायिक समूह है, जो हर रविवार सुबह 11 से 1 बजे तक कंपनी गार्डन में मिलता है। यहाँ लोग साथ बैठकर किताबें पढ़ते हैं, विचार साझा करते हैं और विभिन्न रचनात्मक व बौद्धिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। वहीं आर/इलाहाबाद एक ऑनलाइन समुदाय है, जहाँ इंटरनेट के माध्यम से जुड़े लोग न केवल शहर से जुड़ी चर्चाएँ करते हैं, बल्कि समय-समय पर सामाजिक और रचनात्मक पहलों को भी ज़मीन पर उतारते हैं।

माघ मेला क्षेत्र में आयोजित यह भंडारा इस बात का प्रमाण है कि डिजिटल मंचों पर बने समुदाय भी वास्तविक जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। आज़ाद रीड्स और आर/इलाहाबाद की यह पहल आने वाले समय में अन्य युवाओं और संगठनों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है, कि जब समुदाय मिलकर आगे आता है, तो समाज के लिए बड़े और अर्थपूर्ण कार्य संभव हो पाते हैं।

किन्नर महामण्डलेश्वर ने संतों का कुशलक्षेम पूछ किया सम्मानित

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा की प्रयागराज महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि महराज (छोटी मां) ने आज अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज और परिषद के महामंत्री पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम महराज के माघ मेला के ओल्ड जीटी रोड स्थित शिविर पहुंची। किन्नर महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि ने संत द्वय का आशीर्वाद लिया और कुशल क्षेम पूछा। किन्नर महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज और परिषद के महामंत्री पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम महराज को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान माघ मेला, अर्द्ध कुंभ मेला और कुंभ मेला के दौरान विशाल अन्न क्षेत्र चलाने वाले ओम नमः शिवाय शिविर के व्यवस्थापक शिवम सहित अन्य लोग मौजूद थे।

माघ मेले की भीड़ ने बढ़ाई रौनक, मेला पुलिस मुस्तैद

प्रयागराज। माघ मेला-2026 के दौरान श्रद्धालु आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण होकर तीर्थराज प्रयाग की ओर निरंतर आ रहे हैं। माघ मास के स्नान को पुण्यदायी मानते हुए देश के कोने-कोने से भारी संख्या में श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं।

रविवार को माघ मेला क्षेत्र में संगम स्नान हेतु श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों की अत्यधिक भीड़ देखने को मिली। रविवार होने के कारण मेला क्षेत्र में ऐसा दृश्य परिलक्षित हुआ मानो कोई प्रमुख स्नान पर्व हो, जहां भारी संख्या में श्रद्धालु संगम में स्नान के लिए उमड़ पड़े हों। पूरे मेला क्षेत्र में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत उत्साह दिखाई दिया तथा श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की गई।

श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन एवं सुरक्षित स्नान को सुनिश्चित करने के लिए मेला क्षेत्र के सभी प्रवेश द्वारों, चौराहों, पार्किंग स्थलों एवं स्नान घाटों पर व्यापक पुलिस प्रबंध किए गए हैं। इसके अंतर्गत मेला क्षेत्र में पुलिस की विभिन्न इकाइयों की प्रभावी तैनाती की गई है। इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से संपूर्ण मेला क्षेत्र की सतत निगरानी की जा रही है, जिससे हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सके।

मेला क्षेत्र में 'पब्लिक एड्रेस सिस्टम' के माध्यम से श्रद्धालुओं से निरंतर अनुरोध किया जा रहा है कि वे सुरक्षित रूप से स्नान कर, निर्धारित मार्गों का उपयोग करते हुए अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करें।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक माघ मेला नीरज कुमार पाण्डेय द्वारा स्वयं मेला क्षेत्र का भ्रमण करते हुए पुलिस बल की कुशलता ली जा रही है तथा ड्यूटी में लगे अधिकारियों/ कर्मचारियों को सतर्कता, अनुशासन एवं सेवा भाव के साथ कर्तव्य निर्वहन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।

भाजपा ने लगाया नव मतदाता कैंप

प्रयागराज। भाजपा मुट्ठीगंज मंडल के द्वारा नव मतदाता कैंप लगाया गया। इस अवसर मुट्ठीगंज, गाज़ीगंज, बलुवाघाट कटघर दरिया बाद, महावीरन लेन, बांसमंडी, सालिक गंज क्षेत्र में नव मतदाताओं को जोड़ने के लिए कैंप लगाया गया।

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि भाजपा महानगर के द्वारा सभी 1216 बूथों पर विशेष अभियान चला कर नव मतदाता कैंप लगाया गया और नए मतदाता जोड़ने के लिए फार्म 6 भरवाएं गए।

इस अवसर भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी, मंडल अध्यक्ष परमानंद वर्मा, मंडल उपाध्यक्ष सुनील केसरवानी, सुधांशु त्रिवेदी, अभिषेक जायसवाल जितेंद्र जायसवाल सौरभ चौरसिया अनिल गुप्ता, लवकुश केसरवानी, शक्ति केंद्र संयोजक दीपक केसरवानी, नीरज केसरवानी शत्रुघ्न जायसवाल अजय अग्रहरि आदि मंडल के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घर के लोगों को अच्छे संस्कार सिखाना जरूरी : ब्रजरज दास महाराज

थरवई। क्षेत्र के मनसैता गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कथावाचक ब्रजरज दास महाराज ने पौराणिक प्रसंगों के माध्यम से संस्कारों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कथा केवल सुनने के लिए नहीं, बल्कि उसे जीवन में उतारने के लिए होती है। घर में अच्छे संस्कार और सकारात्मक माहौल देना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है।ब्रजरज दास महाराज ने संगीतमय शैली में कथा का रसपान कराते हुए कहा कि आज घरों में सुविधाएं तो बढ़ गई हैं, लेकिन शांति और संतोष का अभाव दिखाई देता है। उन्होंने समाज में बदलती परिस्थितियों पर चिंता जताते हुए कहा कि यह विडंबना है कि गोमाता जो कभी घर के द्वार पर होती थी, आज सड़कों पर बेसहारा है, जबकि श्वान द्वार पर स्थान पा रहा है। रसोई की पहली रोटी गाय को देने की परंपरा भी समाप्त होती जा रही है।कथावाचक ने बच्चों के संस्कारों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सुबह उठकर माता-पिता और घर के श्रेष्ठजनों का चरण स्पर्श व प्रणाम करना आवश्यक है। इससे बच्चों पर प्रभु की कृपा बनी रहती है और उनमें अच्छे संस्कार विकसित होते हैं। इसलिए अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण अवश्य करें।कथा के समापन पर व्यास पीठ की आरती मुख्य यजमान रमाकांत शुक्ल व उनकी पत्नी सुमन शुक्ल ने उतारी। इ

स अवसर पर जगदीश शुक्ला हरि नारायण शुक्ला वशिष्ठ नारायण शुक्ला जितेंद्र शुक्ल, शिवाकांत शुक्ल, राकेश मिश्र, मोनू शुक्ल, टिंकू तिवारी, कमलेश तिवारी, शिवम शुक्ल, उमेश मिश्र, दीपक तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भागवद कथा से मिलता है ज्ञान स्वामी अमृतदास भक्तमाली

प्रयागराज। अमृत दास बड़ा भक्तमाल सेवा आश्रम संगम लोअर मार्ग खाक चौक माघ मेला प्रयागराज में आज से श्रीमद् भागवद कथा महापुराण की पुनीत पावन कथा एवं लक्ष्मी नारायण महायज्ञ शुरू हुआ। कथा व्यास अनंत विभूषित स्वामी अमृतदास भक्तमाली ने ज्ञान, वैराग्य ओर भक्ति की कथा श्रवण कराते हुए कहा कि भागवत भगवान की पुनीत पावन कथा से ज्ञान वैराग्य की ओर भक्त को आनंद की प्राप्ति हुई। कथा की पूर्णाहुति 17 जनवरी को होगी। उन्होने बताया कि शिविर में पूजन, हवन और जागरूकता संगोष्ठी चलेगी। इसके पूर्व कथा व्यास अनंत विभूषित स्वामी अमृतदास भक्तमाली के नेतृत्व में विशाल कलश यात्रा निकाली गयी जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालु सिर पर कलश लेकर शामिल हुए।

आगामी स्नान पर्व पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम
सभी प्रवेश द्वारों पर सघन चेकिंग, बम निरोधक दस्ता व विशेष टीमें मेला क्षेत्र में सक्रिय

प्रयागराज। माघ मेला-2026 के आगामी स्नान पर्व को दृष्टिगत रखते हुए मेला क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक एवं पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संगम नोज से लेकर मेला क्षेत्र के सभी प्रवेश द्वारों पर मेला पुलिस, पीएसी एवं आरएएफ के जवानों की सघन तैनाती की गई है। प्रवेश द्वारों पर संदिग्ध व्यक्तियों की गहन तलाशी एवं सत्यापन के उपरांत ही मेला क्षेत्र में प्रवेश दिया जा रहा है।

मेला क्षेत्र की सुरक्षा के लिए आठ-स्तरीय सुरक्षा घेरा स्थापित किया गया है। बाहरी सुरक्षा घेरों में पुलिस बल द्वारा मोर्चा संभाला गया है, जबकि आंतरिक घेरों में पीएसी, आरएएफ एवं एटीएस के जवान मुस्तैदी से तैनात हैं। संगम नोज पर घुड़सवार पुलिस की भी तैनाती की गई है। सभी पांटून पुलों के दोनों सिरों पर पीएसी बल मौजूद है, जिससे आवागमन पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

बम निरोधक दस्ता मेला क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थलों पर लगातार सघन जांच एवं तलाशी अभियान चला रहा है। संगम नोज सहित प्रमुख स्थलों पर पुलिस, पीएसी तथा एटीएस के कमांडो संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। संपूर्ण मेला क्षेत्र की निगरानी सीसीटीवी कैमरों एवं कंट्रोल रूम के माध्यम से लगातार की जा रही है।

संगम सहित सभी स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए एनडीआरएफ, बाढ़ राहत दल एवं जल पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है। जवानों द्वारा लगातार अनाउंसमेंट कर श्रद्धालुओं को गहरे पानी की ओर जाने से रोका जा रहा है, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट प्रयागराज एवं पुलिस अधीक्षक माघ मेला सहित वरिष्ठ अधिकारी प्रतिदिन मेला क्षेत्र का भ्रमण एवं निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे हैं।

जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ ने माघ मेला के लिए किया प्रस्थान

प्रयागराज। जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महराज दक्षिण भारत की पांच दिवसीय यात्रा पूरी करके आज विश्व प्रसिद्ध तीर्थराज प्रयागराज के माघ मेला के लिए प्रस्थान किया। उन्होंने कहा कि माघ मेला में माघी पूर्णिमा तक शिविर में पूजन, हवन, संगोष्ठी, संत सम्मेलन और विशाल भण्डारा सहित अन्य कार्यक्रम होगा जिसमें देश, विदेश से बडी संख्या में शिष्यगण परिवार सहित शामिल होगे। जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महराज पांच दिवसीय यात्रा पर तेलंगाना, आध्र प्रदेश गये हुए थे। सनातन धर्म का प्रचार प्रसार कर वहां के लोगों को आशीर्वाद दिया। राष्ट्रीय प्रभारी भारतीय जनता पार्टी नूने बलराज, तेलंगाना के राज्यपाल के ओएसडी दीपक राय, श्रीमती रक्षा ताई पाण्डेय (नीता ताई भागवत), आरके पाण्डेय, तेलंगाना महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष शैलजा रेड्डी, मंगेश भागवत आदि ने शिष्टाचार भेंटकर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महराज का आशिर्वाद लिया। दक्षिणी राज्य यात्रा का संयोजन समाजसेवी केके अन्ना ने किया था।

वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन के प्रथम राज्य अधिवेशन में समाज, व्यापार, उद्योगों के विकास एवं आर्थिक उन्नति पर हुई चर्चा

आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए प्रयागराज के 21 परिवारों को दिया गया मॉडर्न ठेला एवं 10 हजार रुपया

प्रयागराज। धर्म, संस्कृति एवं अध्यात्म की नगरी तीर्थराज प्रयागराज की पावन भूमि पर आज आयोजित वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन (वाया) के प्रथम राज्य अधिवेशन में सम्मिलित देश के प्रतिष्ठित उद्यमियों एवं वैश्य इंटरनेशनल के पदाधिकारियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर वैश्य समाज के लोगों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने व सूदखोरों के चंगुल से बचाने के लिए मॉडर्न ठेला वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। जिसमें प्रयागराज के साथ ही अन्य जनपदों के 21 लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मॉडर्न ठेला, दस हजार रूपए के साथ ही व्यवसाय की सारी सामग्री प्रदान की गई। यही नहीं वैश्य समाज के पांच परिवारों को आर्थिक सहायता के रूप में चेक प्रदान किया गया। वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन (वाया) के प्रथम राज्य अधिवेशन में वैश्य समाज के लोगों के उत्थान के साथ ही व्यापार एवं उद्योगों के विकास, प्रदेश की आर्थिक उन्नति एवं अन्य विषयों पर चर्चा हुई। वैश्य समाज सदैव अपने पूर्वजों की गौरवशाली परम्परा, सेवा और संस्कारों को आगे बढ़ाता आया है। वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन (वाया) अपने पूर्वजों के उन्हीं पदचिन्हों एवं आदर्शों को अपनाते हुए समाज सेवा की ओर अग्रसर है। वाया के पदाधिकारी केंट आरओ के मालिक महेश गुप्ता, हल्दीराम समूह के मनोहर लाल अग्रवाल, क्रिस्टल समूह के अध्यक्ष नन्द किशोर अग्रवाल ने कहा कि किसी भी व्यापार को करने एवं अपने परिवार का जीविकोपार्जन करने के लिए धन की आवश्यकता होती है। बैंक के नियमों की श्रेणी में शामिल न हो पाने की वजह से लोग सूदखोरों के चक्कर में फंस जाते हैं और फिर इस दलदल से बाहर निकल नहीं पाते हैं। शाहजहांपुर और प्रतापगढ़ में कुछ दिनों पहले सूदखोरों के दबाव के कारण ही दो व्यापारियों ने आत्महत्या कर ली थी। ऐसे लोगों को सूदखोरों के चंगुल से बचाना, आर्थिक सहायता प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना ही वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन का लक्ष्य है। ताकि वे अपना व्यापार बढ़ाने के साथ ही परिवार का जीविकोपार्जन कर सकें। सम्मान पूर्वक व्यापार करते हुए अपनी आजीविका चला सकें इसलिए आधुनिक ठेला दिया जा रहा है।

मंत्री नन्दी ने कहा कि समाज का कोई भी व्यक्ति किसी विपत्ति, दुर्घटना या अभाव के कारण कोई आत्मघाती कदम उठाने को विवश न हो, कोई ब्याजखोरी और कर्ज के फंदे में उलझ कर फांसी के फंदे पर झूलने के लिए मजबूर न हो, किसी गुण्डे और माफिया की धौंस न सहनी पड़े, किसी अपराधी के हाथों अपनी जान न गंवानी पड़े, कोई मेहनतकश और स्वाभिमानी होते हुए भी अपनी बदहाली के लिए भाग्य को न कोसे, पैसे के अभाव में किसी होनहार बेटे-बेटी को अपनी पढ़ाई न छोड़नी पड़े। इसके लिए समाज के सक्षम और सम्पन्न लोगों को आगे आना होगा। एक परिवार के रूप में समाज की पीड़ा और वेदना से खुद को जोड़ना होगा। मंत्री नन्दी ने कहा कि वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन का उद्देश्य केवल किसी जरूरतमंद की आर्थिक सहायता कर देना भर नहीं है। बल्कि उसे व्यापार से जोड़ कर आत्मनिर्भर बनाना ही लक्ष्य है।

वाया की टीम द्वारा नैनी के चकदोंदी मोहल्ले में रहने वाले मूक बधिर दम्पत्ति संजय अग्रवाल को अपना व्यापार बढ़ाने के लिए आर्थिक सहायता के रूप में दो लाख रूपए का चेक दिया गया। मीरा देवी के दुकान व मकान में आग लगने से सब कुछ नष्ट होने पर पुनः अपने व्यापार को खड़ा करने के लिए पांच लाख रूपए की धनराशि आर्थिक सहायता के रूप में दी गई। अंकित जायसवाल को सात लाख रूपए का चेक दिया गया। इसके प्रयागराज के विभिन्न क्षेत्रों एवं अन्य जनपदों के 21 लोगों को चाय, पकौड़ी, समोसा आदि की दुकानें लगाकर आत्मनिर्भर बनाने के लिए वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन द्वारा मॉडर्न ठेला, दस हजार रूपए का चेक और व्यवसाय प्रारम्भ करने से सम्बंधित सामग्री भी दी गई। जिनमें कोठा पार्चा निवासी मोनू साहू, चाट वाली गली निवासी शुभम साहू, चंदर केसरवानी, राकेश कुमार केसरवानी, मथुरा केसरवानी, अतरसुईया निवासी सीताराम, तम्बाकू गली कीडगंज निवासी बुद्धमती, मुट्ठीगंज निवासी बीरू चाय वाले ज्ञानेंद्र जायसवाल, पूरावल्दी निवासी कमल केसरवानी, सदियापुर निवासी गेंदालाल, सिविल लाइंस निवासी अजय कुमार साहू, मलिहाबाद लखनऊ निवासी धनुषधारी, कानपुर निवासी विनोद केसरवानी, बहादुरगंज निवासी वीरेंद्र कुमार गुप्ता, रामभवन चौराहा निवासी निवेश कुमार अग्रहरि, सुशील, मनकामेश्वर मंदिर कीडगंज निवासी रिंकी केसरवानी, राजकुमार केसरवानी, आदित्य, अश्विनी, उज्जवल गुप्ता, मंजू केसरवानी शामिल रहे। वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन के प्रथम राज्य अधिवेशन में शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंचे देश के प्रतिष्ठित घरानों के उद्यमियों ने मंत्री नन्दी के साथ रविवार की सुबह मां गंगा, यमुना एवं सरस्वती की पावन त्रिवेणी संगम में स्नान किया। गंगा दर्शन करते हुए बंधवा महावीर का पूजन-अर्चन किया।

कांग्रेस का मंच देखकर भागे सपाई विधायक रईस शेख...

स्वागत की घोषणा होते ही केजीएन चौक की सभा से बनाई दूरी

भिवंडी। भिवंडी महानगरपालिका के 90 सीटों पर होने वाले चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी और घटनाक्रम तेज हो गए हैं। कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के समर्थन में खुलेआम प्रचार कर रहे समाजवादी पार्टी (सपा) के बागी विधायक रईस कासम शेख शनिवार को एक बार फिर चर्चा में आ गए, जब वे कांग्रेस का मंच साझा किए बिना ही जनसभा स्थल से निकल गए। घटना भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के केजीएन चौक की है, जहां कांग्रेस पार्टी की ओर से एक भव्य जनसभा का आयोजन किया गया था। सभा स्थल पर मंच सज चुका था और सपा विधायक रईस शेख के स्वागत की घोषणा भी की जा रही थी। इसी दौरान विधायक शेख वहां पहुंचे जरूर, लेकिन मंच पर जाने के बजाय शांतिनगर केजीएन चौक की ओर निकलकर चले गए,इस घटनाक्रम ने मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं और नेताओं को चौंका दिया।

बताया जा रहा है कि कांग्रेस नेताओं को उम्मीद थी कि सपा के बागी विधायक रईस शेख मंच पर मौजूद रहकर कांग्रेस उम्मीदवारों के समर्थन में जनता से वोट की अपील करेंगे। हालांकि उनके मंच पर न आने से कांग्रेस पार्टी के स्थानीय उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं में कुछ देर के लिए निराशा देखी गई, लेकिन इसके बावजूद जनसभा के दौरान मंच से रईस शेख की जमकर तारीफ की गई।

इस जनसभा में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके अलावा भिवंडी शहर कांग्रेस अध्यक्ष रशीद ताहिर मोमिन, रानी अग्रवाल, जावेद फारूकी,सलाम शेख, इकबाल सिद्दीकी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के सभी कांग्रेस उम्मीदवार मंच पर मौजूद थे। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक सेक्युलर विचारधारा वाली पार्टी है और अपने सिद्धांतों पर मजबूती से कायम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जिताना आवाम और जागरूक नागरिकों का काम है और जो भी लोग इस विचारधारा में विश्वास रखते हैं, उनका पार्टी में स्वागत है।प्रदेश अध्यक्ष ने अंबरनाथ का जिक्र करते हुए कहा कि पूरे महाराष्ट्र में 'अंबरनाथ पैटर्न' कायम हो चुका है और भिवंडी इससे अलग नहीं है। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा देश में नाम हटाने की राजनीति कर रही है और कांग्रेस नेताओं के नाम हटाने की कोशिश की जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, सपा विधायक रईस शेख का कांग्रेस मंच से दूरी बनाना आने वाले दिनों में नई राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दे सकता है। मनपा चुनाव से पहले यह घटनाक्रम भिवंडी की राजनीति में बढ़ती अनिश्चितता और अंदरूनी समीकरणों को उजागर करता है।

मतदान से पहले AIMIM को बड़ा झटका

भिवंडी के कद्दावर नेता शादाब उस्मानी का इस्तीफा

महाराष्ट्र नेतृत्व पर संगठन कमजोर करने और जमीनी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का आरोप।

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी महानगरपालिका चुनाव के लिए मतदान से ठीक पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और भिवंडी के अध्यक्ष शादाब उस्मानी ने AIMIM से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा सीधे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी को भेजा है। चुनावी माहौल के बीच आए इस घटनाक्रम से भिवंडी की राजनीति में खलबली मच गई है। करीब 12 वर्षों तक AIMIM संगठन में सक्रिय रहे शादाब उस्मानी ने अपने इस्तीफे में महाराष्ट्र प्रदेश नेतृत्व की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य नेतृत्व ने न सिर्फ उन्हें लगातार नजरअंदाज किया, बल्कि संगठन के भीतर ऐसी परिस्थितियां पैदा की गईं, जिससे जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस करने लगे।

इस्तीफे में उस्मानी ने कहा है कि महाराष्ट्र में पार्टी के भीतर उभर रहे जमीनी नेताओं को आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया जा रहा। इससे AIMIM की वैचारिक मजबूती और संगठनात्मक ढांचा कमजोर हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी संगठन को सामूहिक रूप से मजबूत करने के बजाय निर्णय प्रक्रिया को कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित कर

दिया गया है। शादाब उस्मानी ने महाराष्ट्र अध्यक्ष इम्तियाज जलील की कार्यप्रणाली पर अप्रत्यक्ष रूप से टिप्पणी करते हुए कहा कि एक व्यक्ति के रूप में उनकी क्षमता पर उन्हें कोई संदेह नहीं है, लेकिन एक संगठनात्मक प्रमुख के रूप में अपेक्षित संतुलन, पारदर्शिता और समन्वय की कमी साफ दिखाई देती है।

शादाब उस्मानी का इस्तीफा ऐसे समय में सामने आया है, जब भिवंडी मनपा चुनाव के लिए मतदान नजदीक है। AIMIM ने इस चुनाव में कुल 16 सीटों पर अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं, जिनमें पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से एक और पूर्व विधानसभा क्षेत्र से 15 प्रत्याशी शामिल हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में AIMIM उम्मीदवार को भिवंडी से लगभग 15 हजार वोट मिले थे, जिसके आधार पर पार्टी इस बार बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही थी।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मतदान से पहले एक मजबूत और जमीनी नेता का पार्टी से अलग होना AIMIM की चुनावी रणनीति और स्थानीय पकड़ को प्रभावित कर सकता है। खासतौर पर उन क्षेत्रों में असर पड़ने की संभावना है, जहां शादाब उस्मानी का सीधा जनसंपर्क और प्रभाव रहा है। फिलहाल AIMIM की ओर से इस इस्तीफे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन पार्टी के भीतर अंदरूनी मंथन और राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मतदान से पहले आया यह घटनाक्रम भिवंडी के मनपा चुनाव को और भी दिलचस्प बना रहा है।

भुसावल मंडल रेल प्रबंधक द्वारा भुसावल स्टेशन एवं यात्री सुविधाओं का गहन निरीक्षण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिनांक 09.01.2026 को मध्य रेल, भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनित अग्रवाल ने अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) सुनील कुमार सुमन तथा वरिष्ठ शाखा अधिकारियों के साथ भुसावल स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था तथा कार्यालयीन कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई।

यात्रियों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु सेवा स्तर में सुधार, स्वच्छता एवं स्वास्थ्यकर वातावरण बनाए रखने तथा कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी एवं दक्ष बनाने पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा विशेष बल दिया गया।

इस अवसर पर भुसावल स्टेशन स्थित कैटरिंग स्टॉलों का भी निरीक्षण किया गया, जिसमें खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं निर्धारित स्वच्छता मानकों की जांच की गई। इसके अतिरिक्त गाड़ी संख्या 11040 का भी निरीक्षण किया गया, जिसमें कोचों की स्वच्छता, सैनिटेशन व्यवस्था तथा यात्रियों के लिए स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर यात्रा वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान स्टेशन प्रबंधक, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक एवं अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रभाग 11 में सपा पैनल की रैली नहीं,जनसैलाब का रेला..

हजारों मतदाता सड़कों पर उतरे, साइकिल निशान का किया खुलकर प्रचार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका चुनाव के मद्देनजर प्रभाग क्रमांक 11 में समाजवादी पार्टी (सपा) का जनाधार लगातार मजबूत होता नजर आ रहा है। शनिवार को प्रभाग 11 'अ' से सपा उम्मीदवार सुरेश कृष्णा भगत (एस.के.) ने अपने पैनल के साथ जो रैली निकाली, वह महज रैली नहीं बल्कि जनसमर्थन का 'रेला' साबित हुई। हजारों की संख्या में स्थानीय मतदाता सड़कों पर उतर आए और साइकिल निशान के पक्ष में खुलकर प्रचार किया। इस विशाल रैली में सपा उम्मीदवार सुरेश कृष्णा भगत (एस.के.) के साथ उनके पैनल के अन्य उम्मीदवार– वार्ड (ब) से अंसारी शमीम बानों मोहम्मद आसिफ, वार्ड (क) से शेख अरशिया

निखत शफीक हुसैन उर्फ शफीक बाबू और वार्ड (ड) से हसीब शेर खान– एकजुट नजर आए। पूरे प्रभाग में निकली इस रैली के दौरान सपा नेताओं ने नागरिकों से सीधे संवाद कर पार्टी की नीतियों, सामाजिक न्याय और विकास से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से रखा।

रैली के दौरान स्थानीय नागरिकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। जगह-जगह सपा पैनल का स्वागत किया गया और 'समाजवादी पार्टी जिंदाबाद' तथा ' अबु हासिम आज़मी आगे बढ़े' जैसे नारों से इलाका गूंज उठा। बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की मौजूदगी ने यह साफ संकेत दिया कि प्रभाग 11 में सपा पैनल को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है।

यह रैली किदवई नगर स्थित वार्ड (ड) के उम्मीदवार हसीब शेर खान के चुनावी कार्यालय से शुरू होकर प्रभाग के विभिन्न हिस्सों से गुजरती हुई संपन्न हुई। रैली के बाद बातचीत में सुरेश कृष्णा भगत (एस.के.) ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा आम जनता की आवाज को मजबूती से उठाया है और यही वजह है कि लोग खुद-ब-खुद सपा के साथ जुड़ रहे हैं। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे सपा के साइकिल चिन्ह पर वोट देकर पैनल को विजयी बनाएं।

प्रभाग 11 में चुनावी मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है। कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट), रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (एकतावादी) और लोक हिंद पार्टी के उम्मीदवार भी जोर-शोर से प्रचार में जुटे हैं। इसके बावजूद जिस तरह से सपा पैनल को जनसमर्थन मिल रहा है, उसने अन्य दलों की चिंता बढ़ा दी है।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सुरेश कृष्णा भगत (एस.के.) और उनके पैनल की एकजुटता, जमीनी पकड़ और साफ छवि ही सपा की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, प्रभाग 11 में समाजवादी पार्टी का माहौल और मजबूत होता जा रहा है, जिससे सपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

भारतीय ज्ञान परंपरा का उत्थान ही सुदृढ़ भविष्य की नींव बनेगा - प्रो.पी.के.प्रजापति

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र गंगानाथ झा परिसर एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद विषय तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर प्रदीप कुमार प्रजापति, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय औषधि पादप बोर्ड आयुष मंत्रालय भारत सरकार के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रोफेसर महेश दाधीच, निदेशक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गंगानाथ झा परिसर प्रोफेसर ललित कुमार त्रिपाठी, सारस्वत अतिथि विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष प्रो.जी.एस. तोमर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। अपने उद्बोधन में प्रोफेसर प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि

भारतीय ज्ञान परंपरा भारतीय सभ्यता की नींव है जो हजारों वर्षों से विकसित हो रही है। यह परम्परा न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के सांस्कृतिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक जीवन में प्रवाहित हो रही है। आयुर्वेद के समक्ष असली जड़ी बूटियों की पहचान एवं दवाओं की शुद्धता जैसी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए भारतीय ज्ञान परम्परा की समृद्धता से उपस्थित जनों का परिचय कराया। उन्होंने स्वस्थ जीवन हेतु ऋतुचर्या एवं दिनचर्या के पालन को सर्वाधिक महत्वपूर्ण बताया। अपने उद्बोधन में उन्होंने पाण्डुलिपियों में छिपे ज्ञान को अथाह सागर से बाहर लाने तथा इसके माध्यम से भारत को विश्वगुरु के रूप में पुनर्मान्यता दिलाने का आह्वान किया। प्रोफेसर महेश कुमार दाधीच ने अपने विचार रखते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में वनौषधियों (जड़ी-बूटियों) का गहरा महत्व है, जो स्वास्थ्य, धर्म और पर्यावरण से जुड़ी हैं; वे आयुर्वेद के आधार हैं।उन्होंने आयुर्वेद के क्षेत्र में पादपों, वनस्तपतियों की विशिष्टता एवं उनके महत्व का विशेषतः वर्णन किया। नीम, पीपल, बरगद के वृक्षों को मानव जीवन का आधार बताते हुए इन वृक्षों

के औषधीय गुणों से परिचित कराया। वृक्षों एवं पादपों से जुड़ी लोकोक्तियों का आयुर्वेद की दृष्टि से व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए उन्होंने विभिन्न पादपों यथा तुलसी, आँवला, घृतकुमारी इत्यादि के औषधीय गुणों का विशेषतः उल्लेख किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने संस्कृत एवं आयुर्वेद के सम्बन्ध को वर्णित करते हुए समस्त शोध छात्र-छात्राओं को आयुर्वेदाचार्यों के साथ जुड़कर शोधकार्य करने को प्रेरित किया। आयुर्वेद का मुख्य उद्देश्य उन्होंने स्वस्थ एवं निरोगी जीवन बताया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे ने भारतीय आयुर्वेद को समग्र चिकित्सा के केन्द्र बताया। रोग की पहचान एवं उपचार की प्रक्रिया मे आयुर्वेद को उन्होंने सर्वाधिक प्रभावी बताया। विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष प्रो जी एस तोमर ने बताया कि देश की शीर्ष संस्थानों से विशेषज्ञों को बुलाकर यह कार्यशाला आयोजित की गई है । इसमें प्रस्तुत विषय वस्तु को पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने की योजना है । इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप कुमार प्रजापति को विश्व आयुर्वेद मिशन की ओर से 'पद्मश्री प्रोफेसर रामहर्ष सिंह स्मारक उत्कृष्ट प्रशासक' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अंकित मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. यशवन्त त्रिवेदी ने किया। परिसर के जनसम्पर्क अधिकारी राजेशकान्त तिवारी के अनुसार त्रिदिवसीय इस राष्ट्रीय कार्यशाला मे देश के विभिन्न विश्वविद्यालयो एवं केन्द्रों के 15 से अधिक विद्वान, आयुर्वेद चिकित्सक अपने व्याख्यान प्रस्तुत कर छात्र-छात्राओं को लाभान्वित करेंगे। यह कार्यशाला दिनांक 13 जनवरी 2026 तक गतिमान रहेगी। इस अवसर पर आयुर्वेद चिकित्सगणों में डॉ. हरिशंकर मिश्र, डॉ. नीरू नाथानी, डॉ सामू प्रसाद पाल, डॉ रमेश कांत दुबे, डॉ. राकेश कुमार सिंह, डॉ विष्णु बली मिश्रा, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. अवनीश पाण्डेय,, डॉ आशीष मौर्य, डॉ. सालिगराम, डॉ. संजय नैथानी, सहित प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस', प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. अंजनी कुमार पुण्डरीक, सुश्री अश्विनी लंके, श्री रामसुरेश तिवारी एवं अन्य परिसरीय कर्मचारी एवं अधिकारीगण तथा देश के विभिन्न प्रान्तों से कार्यशाला में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं के साथ अन्य शोध छात्र-छात्राएँ समुपस्थित रहे।

डॉ प्रदीप कुमार प्रजापति 'पद्मश्री प्रो रामहर्ष सिंह बैस्ट एडमिनिस्ट्रेटर अवार्ड ' से सम्मानित

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगा नाथ झा परिसर प्रयागराज एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परम्परा एवं आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में विश्व आयुर्वेद मिशन ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली के निदेशक एवं डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के पूर्व कुलपति डॉ प्रदीप कुमार प्रजापति को 'पद्मश्री प्रो रामहर्ष सिंह बैस्ट एडमिनिस्ट्रेटर अवार्ड ' से सम्मानित किया । डॉ प्रजापति को यह सम्मान आयुर्वेद के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिये विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) गिरीन्द्र सिंह तोमर एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गंगा नाथ झा परिसर के निदेशक प्रो ललित कुमार त्रिपाठी ने प्रदान किया ।

'टीएमसी समर्थकों के पास पेट्रोल का एक कैन भी था, सुवेंदु के आरोपों के बाद गृह मंत्रालय सख्त, मांगी गई वीडियो फुटेज और रिपोर्ट

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर मेदिनीपुर मंर हमला हुआ। इसके बाद बीजेपी के नेता हरेक जिले में प्रदर्शन करने लगे। वहीं अब सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर हुए हमले को लेकर गृह मंत्रालय सख्त हो गया है। इस कथित हमले के संबंध में मंत्रालय ने उनके कार्यालय से रिपोर्ट मांगी है। बीजेपी ने आरोप लगाया कि शनिवार देर शाम पुरुलिया के पास टीएमसी समर्थकों द्वारा सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला किया गया। सूत्रों के अनुसार सुवेंदु अधिकारी का कार्यालय घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग गृह मंत्रालय को भेजेगा। सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि यह घटना रात करीब 8.20 बजे हुई जब वह पुरुलिया से लौट रहे थे। जब उनका काफिला पश्चिम मेदिनीपुर जिले के चंद्रकोना रोड मार्केट इलाके में चार-पॉइंट क्रॉसिंग से गुजर रहा था, तो पार्टी का झंडा लिए कुछ टीएमसी समर्थकों ने कथित तौर पर सड़क जाम कर दी और बांस की लाठियों से उनके काफिले पर हमला किया। सुवेंदु अधिकारी ने आगे आरोप लगाया कि घटना के समय स्थानीय पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। उन्होंने कहा कि जिस गाड़ी में वह यात्रा कर रहे थे, उसके बुलेटप्रूफ शीशे के कारण उन्हें कोई चोट नहीं आई। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानीय बीजेपी समर्थकों ने अपनी सुरक्षा टीम के साथ मिलकर टीएमसी समर्थकों को हटाया, जिससे हाथापाई हुई। मौके से निकलने के बाद सुवेंदु अधिकारी सीधे बीट हाउस पुलिस चौकी गए और लगभग छह घंटे तक धरने पर बैठ गए। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि पुलिस कथित हमलावरों पर जमानती धाराएं लगा रही है। सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को पुलिस स्टेशन में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, 'हम यहां न्याय मांगने आए हैं। मैंने इसमें शामिल लोगों के नाम बताए हैं। प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए और दोषियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। वे बांस की लाठियां लेकर आए थे और दो कारों पर हमला किया, उन्हें नहीं पता था कि मैं किस कार में था। उनके पास पेट्रोल का एक कैन भी था। चुनाव आ रहे हैं, और वे जानते हैं कि वे हार रहे हैं। इसीलिए वे पश्चिम बंगाल से बीजेपी को खत्म करना चाहते हैं। सोशल मीडिया पर सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि यह हमला पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ, जिन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया। सुवेंदु अधिकारी ने पुलिस स्टेशन में अपना लगभग छह घंटे का धरना खत्म किया और घोषणा की कि वह इस मुद्दे पर कलकत्ता हाई कोर्ट जाएंगे।

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने सुब्रिना जोहल से किया विवाह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने सुब्रिना जोहल से विवाह के बंधन में बंध गए हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। 43 साल के पनेसर की पहले गुरशरण रतन से शादी हुई थी, जो एक फार्मासिस्ट थीं। रतन से तलाक के समय वह 31 साल के थे। जोहल ने शादी की फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की और कैप्शन में लिखा, 'और बस ऐसे ही... अगले चैप्टर की ओर।'

पनेसर ने यह स्टोरी अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर शेयर की और लिखा, 'मेरा अधूरा हिस्सा।' पनेसर की नई पत्नी के बारे में इंटरनेट पर ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। उनके ट्विटर हैंडल पर देखा जा सकता है कि वह लीसेस्टर, इंग्लैंड में रहती हैं और ऑर्चर्ड मीड एकेडमी की प्रिंसिपल हैं।

पनेसर ने 2006 में विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन ग्राउंड में भारत के खिलाफ सबसे लंबे फॉर्मेट में इंग्लैंड के लिए डेब्यू किया था। अगले साल उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में दो व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में अपना पहला मैच खेला। पनेसर ने अपने इंटरनेशनल करियर में 50 टेस्ट, 26 वनडे और एक टी20 आई खेला। उन्होंने टेस्ट में 167 विकेट, वनडे में 24 और टी20 आई में दो विकेट लिए। उनका सबसे शानदार प्रदर्शन 2012-13 में इंग्लैंड के भारत दौरे के दौरान आया था जब उन्होंने तीन मैचों में 17 विकेट लिए थे। इसमें दो बार 5 विकेट लेना शामिल है। इंग्लैंड ने यह सीरीज 2-1 से जीती थी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर नया मोड़
बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी को तैयार पाकिस्तान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले एक बड़ा कूटनीतिक और क्रिकेटिंग घटनाक्रम सामने आया है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की यात्रा से इनकार करने वाले बांग्लादेश के लिए अब वेन्यू को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने संकेत दिए हैं कि वह बांग्लादेश के वर्ल्ड कप मुकाबलों की मेज़बानी के लिए तैयार है। यह प्रस्ताव उस समय आया है, जब इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच लगातार बातचीत जारी है।

जियो सुपर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी के सूत्रों ने बताया है कि यदि श्रीलंका में वैकल्पिक वेन्यू उपलब्ध नहीं होते हैं, तो पाकिस्तान बांग्लादेश के मैच आयोजित करने के लिए आगे आएगा। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान के सभी प्रमुख स्टेडियम कम समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुकाबले कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पीसीबी ने औपचारिक रूप से अपनी इच्छा जाहिर कर दी है, हालांकि अभी तक आईसीसी की ओर से कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में मैच खेलने को लेकर गंभीर सुरक्षा चिंताएं जताई हैं। यह विवाद उस समय और गहरा गया, जब बीसीसीआई के निर्देशों के बाद तेज़ गेंदबाज़ मुस्तफ़िज़ुर रहमान को आईपीएल से रिलीज़ कर दिया गया।

हालांकि इस फैसले के पीछे कोई स्पष्ट कारण सार्वजनिक नहीं किया गया, लेकिन इसके बाद बांग्लादेश के भारत न जाने के रुख ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी।

बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नज़रुल ने साफ कहा है कि देश की गरिमा और खिलाड़ियों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाएगा। एक बैठक के बाद उन्होंने कहा, 'हम क्रिकेट खेलना चाहते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सम्मान, खिलाड़ियों, दर्शकों और पत्रकारों की सुरक्षा की कीमत पर नहीं।' पहले जवाब से संतुष्ट न होने पर बीसीबी ने आईसीसी को दूसरा औपचारिक पत्र भेजा, जिसमें भारत यात्रा से जुड़े विशेष सुरक्षा जोखिमों का विस्तृत विवरण दिया गया और भारत में होने वाले चार मैचों को श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की गई।

अब तक आईसीसी ने इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। बोर्ड सार्वजनिक रूप से शांत है और आगे स्पष्टीकरण मांग रहा है। इस चुप्पी के कारण बांग्लादेश की भागीदारी और उनके मैचों के आयोजन स्थल को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, जबकि टूर्नामेंट की तारीखें नज़दीक आ रही हैं। अनिश्चितता के बावजूद, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को अपनी टी-20 वर्ल्ड कप टीम का ऐलान कर दिया। लिटन दास को टीम का कप्तान और सैफ हसन को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। बांग्लादेश को ग्रुप सी में रखा गया है, जहां उसे इंग्लैंड, वेस्ट इंडीज़, इटली और नेपाल के साथ मुकाबले खेलने हैं। फिलहाल उनका पहला मैच 7 फरवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में निर्धारित है।

युवा ऑलराउंडर श्वेता सहरावत की प्रगति से प्रभावित हैं शिखर धवन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा कि श्वेता सहरावत ने एक खिलाड़ी और एक नेतृत्वकर्ता के रूप में उल्लेखनीय प्रगति की है और उन्हें उम्मीद है कि यह युवा ऑलराउंडर महिला प्रीमियर लीग में (डब्ल्यूपीएल) नई ऊंचाई पर पहुंचने में सफल रहेगी। महिला प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में यूपी वॉरियर्स का प्रतिनिधित्व कर रही सहरावत ने अपने खेल में लगातार सुधार किया है। उन्होंने डब्ल्यूपीएल की 2024 के सत्र में 108 और 2025 में 119 रन बनाए थे।

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) की फ्रेंचाइजी साउथ दिल्ली सुपरस्टारज़ के सह-मालिक धवन ने एक विज्ञप्ति में कहा, " श्वेता ने एक खिलाड़ी और नेतृत्वकर्ता के रूप में उल्लेखनीय प्रगति की है। उनकी अगुवाई में साउथ दिल्ली सुपरस्टारज़ ने डीपीएल का खिताब जीता जिससे पता चलता है कि वह दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम है।" उन्होंने कहा, "हम यूपी वॉरियर्स के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि वह इस विजयी मानसिकता को बरकरार रखते हुए डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी भी जीतेगी।" श्वेता ने 2025 में दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी कप्तानी में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ ने खिताब जीता। उन्होंने फाइनल में 110 रन की मैच विजेता पारी खेली जो इस प्रतियोगिता में उनका सर्वोच्च स्कोर था।

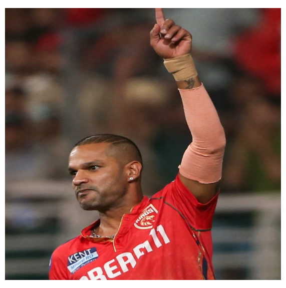

टी20 विश्व कप से बाहर होने पर शुभमन गिल का दर्द
बोले- 'किस्मत पर भरोसा'
भारतीय टीम को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल ने टी20 विश्व कप 2026 में टीम से बाहर किए जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद से टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के उप-कप्तान रहे गिल को वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिल ने चयनकर्ताओं के इस फैसले को स्वीकार करते हुए कहा कि उन्हें अपने भाग्य पर भरोसा है और वे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह आश्वस्त हैं।

शुभमन गिल ने भारत बनाम न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से पहले कहा कि सबसे पहले, मेरा मानना है कि मैं अपने जीवन में वहीं हूँ जहाँ मुझे होना चाहिए। मेरी किस्मत में जो लिखा है, वो मुझे मिलेगा। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं अपनी टीम को जीत दिलाना चाहता हूँ, लेकिन साथ ही मैं चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करता हूँ। मैं टी20 टीम को शुभकामनाएं देता हूँ। मुझे उम्मीद है कि वे विश्व कप जीतेंगे। पिछले साल एशिया कप से ठीक पहले शुभमन को टी20

अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने का मौका दिया गया था।

भारतीय प्रबंधन को उम्मीद थी कि यह बहुमुखी बल्लेबाज आक्रामक बल्लेबाजी पंक्ति के साथ खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन करेगा। गिल ने संजू सैमसन की जगह ली, जिन्होंने पिछले 12 महीनों में 3 टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए थे। गिल ने सैमसन की जगह शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी की और अपने करीबी दोस्त अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की। यह कदम उल्टा पड़ गया और भारत को अपनी उस सहज और आक्रामक बल्लेबाजी से जूझना पड़ा, जो गौतम गंभीर की कप्तानी में उसकी पहचान बन चुकी थी। अंततः, टी20 विश्व कप से ठीक पहले गिल के प्रयोग को समाप्त कर दिया गया, क्योंकि चयनकर्ता इस बात पर अड़े थे कि सैमसन को बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर वापस लाना आवश्यक है।

विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया डब्ल्यूपीएल से बाहर, गुजरात जायंट्स को नहीं मिलेगा रिप्लेसमेंट

नवी मुम्बई **(एजेंसी)**। गुजरात जायंट्स (जीजी) की विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 से बाहर हो गई हैं। भाटिया की उपलब्धता को पहले से ही संशय बना हुआ था क्योंकि अक्तूबर में उनकी एसीएल सर्जरी हुई थी।

डब्ल्यूपीएल ने नीलामी से पहले ही तमाम फ्रैंचाइजी को सूचित कर दिया था कि अगर कोई टीम उन्हें खरीदती है तो उनके लिए रिप्लेसमेंट विकल्प नहीं दिया जाएगा। इसके बावजूद जीजी और यूपी वॉरियर्ज ने उनके लिए बोली लगाई और जीजी ने 50 लाख में उन्हें खरीद लिया।

जीजी के कोच माइकल क्लिंगर ने सोशल मीडिया पर फ्रैंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि आप अच्छी होंगी और अच्छी तरह से रिकवर कर रही होंगी। हमें आपके दोबारा फिट होने और डब्ल्यूपीएल के पांचवें सीजन में बेसब्री से आपकी वापसी का इंतजार है।'

शेयर और कमोडिटी बाजार के नियम होंगे सरल
सेबी 54 नियमों को बदलने की तैयारी में

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ट्रेडिंग नियमों को सरल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सेबी ने एक नया प्रस्ताव जारी किया है, जिसका मकसद स्टॉक और कमोडिटी एक्सचेंजों में ट्रेडिंग से जुड़े नियमों को आसान बनाना और बाजार के प्रतिभागियों पर अनुपालन का बोझ कम करना है।

सेबी द्वारा जारी कंसल्टेशन पेपर में कहा गया है कि ट्रेडिंग फ्रेमवर्क में मौजूद दोहराव वाले प्रावधानों को मिलाकर एक सरल और एकीकृत ढांचा तैयार किया जाएगा। इसमें प्राइस बैंड, सर्किट ब्रेकर, बल्क और ब्लॉक डील डिस्क्लोजर, कॉल ऑक्शन और लिक्विडिटी बढ़ाने से जुड़ी योजनाओं को शामिल किया गया है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, करीब 54 नियमों में बदलाव का प्रस्ताव है, जो इक्विटी और कमोडिटी सेगमेंट दोनों को एक ही ढांचे में कवर करेंगे। इसमें मार्जिन ट्रेडिंग फैसिलिटी (एमटीएफ), क्लाइंट कोड, पैन आवश्यकताएं, ट्रेडिंग घंटे और दैनिक मूल्य सीमा जैसे अहम प्रावधान शामिल हैं।

सेबी ने यह भी सुझाव दिया है कि बल्क और ब्लॉक डील से जुड़े डिस्क्लोजर नियमों को आपस में मिलाया जाए और बल्क डील पर अधिक स्पष्टता लाई जाए। इसके अलावा, क्लियरिंग कॉरपोरेशनों से जुड़े नियमों के लिए अलग मास्टर सर्कुलर लाने की योजना है, ताकि रेगुलेटरी ओवरलैप खत्म हो सके।

यह कदम केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की उस घोषणा के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने परामर्श प्रक्रिया के जरिए वित्तीय क्षेत्र में अनुपालन को सरल और कम खर्चीला बनाने की बात कही थी।

जीएसटी सुधारों ने आंशिक-हाइब्रिड एसयूवी को आकर्षक बनाया:वोल्वो कार इंडिया एमडी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। लक्जरी कार विनिर्माता वोल्वो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जीएसटी सुधारों के बाद आंशिक-हाइब्रिड एसयूवी ग्राहकों के लिए और भी आकर्षक हो गई हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि कंपनी पूरी तरह इलेक्ट्रिक भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है और भारत में बेची जाने वाली हर चार कारों में एक इलेक्ट्रिक वाहन है।

वोल्वो कार इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) ज्योति मल्होत्रा ने पीटीआई-को दिए एक ईमेल साक्षात्कार में बताया कि जीएसटी 2.0 का कार्यान्वयन एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक रहा है, और इसने कर

संरचना को तर्कसंगत बनाकर लक्जरी खंड को सुव्यवस्थित किया है।

यह पूछने पर कि जीएसटी 2.0 ने ईवी की पैठ को कैसे प्रभावित किया, तो उन्होंने कहा, हमारा पोर्टफोलियो काफी सुसंगत रहा है, और हम हर चार कार में लगभग एक ईवी बेचना जारी रखे हुए हैं।

भविष्य की राह के बारे में उन्होंने कहा, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पूरी तरह इलेक्ट्रिक भविष्य के लिए हमारी प्रतिबद्धता अपरिवर्तित है, और हम इन आंकड़ों को एक स्थिर आधार के रूप में देखते हैं। हम 2026 में अधिक आक्रामक ईवी पेशकश की तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कंपनी ने 2025 में अपने आईसीई (इंटरनल कंबशन इंजन) पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाया और प्रमुख मॉडल एक्ससी90 और एक्ससी60 की मासिक बिक्री में जीएसटी सुधारों के बाद दो अंकों की वृद्धि हुई।

युजवेंद्र चहल का खुलासा, कप्तान संजू सैमसन ने मुझे डेथ ओवरों का बेहतर गेंदबाज बनाया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपने आईपीएल करियर से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा किया है। चहल ने पूर्व राजस्थान रॉयल्स कप्तान संजू सैमसन को अपने खेल में बड़े बदलाव का श्रेय देते हुए कहा है कि सैमसन की कप्तानी ने उन्हें एक 'बेहतर डेथ ओवर गेंदबाज' बनने में मदद की। आमतौर पर स्पिनरों को अंतिम ओवरों में जोखिम भरा विकल्प माना जाता है, लेकिन संजू सैमसन ने इस सोच को बदला और चहल की भूमिका को पूरी तरह नया आयाम दिया।

एक इंटरव्यू में युजवेंद्र चहल ने बताया कि संजू सैमसन उन चुनिंदा कप्तानों में से थे, जिन्होंने आईपीएल में स्लॉग ओवरों के दौरान स्पिन गेंदबाजों पर भरोसा दिखाया। आम तौर पर टी20 क्रिकेट में डेथ ओवर तेज गेंदबाजों के लिए सुरक्षित माने जाते हैं, लेकिन सैमसन ने चहल को इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के लिए तैयार किया। राजस्थान रॉयल्स के प्रमुख स्पिनर के तौर पर चहल को कई बार 16वें से 20वें ओवर के बीच गेंद थमाई गई, जिससे उन्हें दबाव में गेंदबाजी करने का अनुभव मिला।

युजवेंद्र चहल के मुताबिक, लगातार डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने से उनकी सोच, लाइन-लेंथ और वैरिएशन में बड़ा सुधार हुआ। शुरुआत में यह जिम्मेदारी कठिन थी, लेकिन समय के साथ वह इसमें निखरते चले गए। चहल ने कहा कि संजू सैमसन कभी भी गेंदबाजों पर अनावश्यक दबाव नहीं डालते थे। वह उन्हें अपनी ताकत के अनुसार गेंदबाजी करने की आज़ादी देते थे, जिससे आत्मविश्वास बढ़ा और प्रदर्शन में निरंतरता आई।

2022 से 2024 के बीच युजवेंद्र चहल का राजस्थान रॉयल्स के साथ कार्यकाल बेहद सफल रहा। इन तीन सीज़नों में उन्होंने कुल 66 विकेट झटके और टीम के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज बने। खास तौर पर आईपीएल 2022 में चहल ने 17 पारियों में 27 विकेट लेकर पर्पल कैप अपने नाम की और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने। डेथ ओवरों में उनकी विकेट लेने की क्षमता ने राजस्थान रॉयल्स को कई करीबी मुकाबलों में बढ़त दिलाई।

युजवेंद्र चहल आज आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाजों में शुमार हैं। 221 विकेट के साथ वह लीग के सर्वकालिक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन चुके हैं। उनकी सफलता सिर्फ नई गेंद या मिडिल ओवर्स तक सीमित नहीं रही, बल्कि डेथ ओवरों में भी वह बल्लेबाजों के लिए चुनौती साबित हुए और इसके पीछे संजू सैमसन की कप्तानी का अहम योगदान रहा।

भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव
आरबीआई ने 200 अरब डॉलर से नीचे की अपनी बॉन्ड होल्डिंग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी विदेशी मुद्रा प्रबंधन रणनीति में एक बड़ा और रणनीतिक बदलाव किया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत अब अपनी निर्भरता अमेरिकी डॉलर और वहां के सरकारी बॉन्ड से कम कर रहा है जबकि सोने पर भरोसा बढ़ा रहा है। अमेरिकी बॉन्ड में भारत का निवेश घटकर 200 अरब डॉलर से भी कम रह गया है

आरबीआई ने अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड में अपनी हिस्सेदारी को तेजी से घटाया है। अब अमेरिकी बॉन्ड में भारत का निवेश घटकर 200 अरब डॉलर से भी कम रह गया है। पिछले एक साल के भीतर आरबीआई ने अपनी हिस्सेदारी में 50 अरब डॉलर से अधिक की कमी की है। जानकार मानते हैं कि डॉलर के उतार-चढ़ाव और वैश्विक भू-राजनीतिक जोखिमों से बचने के लिए भारत यह कदम उठा रहा है। एक तरफ जहां डॉलर आधारित संपत्तियों को बेचा जा रहा है वहीं दूसरी तरफ आरबीआई अपने सोने के भंडार को लगातार मजबूत कर रहा है। भारत का कुल स्वर्ण भंडार अब बढ़कर 880 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। सोना हमेशा से ही आर्थिक संकट के समय सबसे सुरक्षित संपत्ति माना जाता है इसलिए आरबीआई धीरे-धीरे अपनी विदेशी मुद्रा के एक बड़े हिस्से को सोने में बदल रहा है।

बिग बॉस 19 : दुबई में शोऑफ करने के बाद अपना बर्थडे मनाने निकलीं तान्या मित्तल, पानी की तरह बहाया पैसा

सलमान खान के रिएलटी शो बिग बॉस 19 खत्म हो गया है। हालांकि खत्म होने के बाद भी बिग बॉस 19 के सितारे सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। हाल ही में बिग बॉस 19 के सितारे सक्सेज पार्टी का जश्न मनाने के लिए दुबई पहुंचे थे। इस दौरान तान्या मित्तल ने अपनी चमचमाती कार में धमाकेदार एंट्री की थी। जिसे बाद प्रेइवेट जेट और प्लेन में घूमती दिखीं। सोशल मीडिया पर तान्या मित्तल ने दावा किया कि अभी पिक्चर बाकी है। यानी साफ है कि बिग बॉस खत्म होने के बाद तान्या मित्तल लोगों को बता रही हैं कि वो झूठ नहीं बोल रही थीं। इसी बीच तान्या मित्तल ने एक बार फिर से सोशल मीडिया की दुनिया को हिलाकर रख दिया है, हाल ही में तान्या मित्तल ने फैंस के साथ एक और वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में तान्या मित्तल अपना जन्मदिन सेलिब्रेट करती नजर आ रही हैं। वीडियो में तान्या मित्तल अपना बर्थडे केक फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। तान्या मित्तल के सामने तीन चीयर लीडर्स डांस कर रही हैं। इसके अलावा तान्या मित्तल की टेबल पर ढ़ेर सारा खाना रखा नजर आ रहा है।

वीडियो में तान्या मित्तल ग्रीन कलर की साड़ी पहने दिख रही हैं। जिसके साथ तान्या मित्तल ने शानदार नेकपीस पहना है। तान्या मित्तल ने इस वीडियो में जमकर पोज दिए। तान्या मित्तल को देखकर साप पता चल रहा है कि उन्होंने अपने जन्मदिन के मौके पर काफी रुपए फूंक दिए हैं। फैंस भी तान्या मित्तल की ये अमीरी देखकर चौंक गए हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए तान्या मित्तल ने खुद को जन्मदिन की बधाई दी है। तान्या मित्तल ने लिखा, हैप्पी बर्थडे टू मी।।। तान्या मित्तल की ये वीडियो सामने आते ही उनके फैंस ने उको बधाई देनी शुरू कर दी है। लोग तान्या मित्तल को हैप्पी बर्थडे बोल रहे हैं। वहीं कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि तान्या मित्तल ने ये वीडियो शेयर करके अपने हेटर्स की बोलती बंद कर दी है। तान्या मित्तल बिग बॉस के घर से आने के बाद से ही लोगों को अपनी अमीरी दिखा रही हैं। अपने घर पर मीडिया को बुलाकर तान्या मित्तल ने नाराजगी जाहिर की थी। इस दौरान तान्या मित्तल के परिवार ने भी बताया था कि वो कितने अमीर हैं। मीडिया से बात करने के बाद तान्या मित्तल लगातार घूम रही हैं और अपने फैंस को अपनी अमीरी दिखा रही हैं।

उदयपुर में नूपुर सैनन-स्टेबिन बेन की ग्रैंड वेडिंग, क्रिश्चियन रीति-रिवाज के बाद अब हिंदू रिवाज में फेरे लेंगे कपल!

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन शादी के बंधन में बंध चुकी है। नुपुर ने शनिवार को सिंगर स्टेबिन बेन के साथ क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी की। इस बीच, सोशल मीडिया पर शादी की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रही है। एक्ट्रेस नुपुर को वाइट गाउन में स्टेबिन के साथ देखा जा सकता है। उदयपुर में दोनों परिवार, खास दोस्त इस वेडिंग में नजर आए। इस दौरान एक्ट्रेस दिशा पाटनी और मौनी रॉय भी जश्न का हिस्सा बनीं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर की है। दिशा-मौनी ने गाउन स्टाइल ड्रैस कैरी की थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार दोपहर तक नूपुर और स्टेबिन ने क्रिश्चियन रिति-रिवाज से शादी की है। इसके बाद शाम को एक कॉकटेल पार्टी रखी गई थी जिसमें खास मेहमान शामिल हुए थे। बॉलीवुड इंडस्ट्री से इस शादी में वरुण शर्मा, दिशा पाटनी और मौनी रॉय ही नजर आई। इसके साथ ही कृति सेनन के कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया ने डायरेक्टर अमर कौशिक और प्रोड्यूसर दिनेश विजान के साथ तस्वीरें शेयर की थी। एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी बहन की शादी में खूब नाचती नजर आ रही हैं। कृति ने संगीत सेरेमनी पर बहन और जीजा के स्टेबिन के लिए डांस

परफॉरमेंस दी थी। इसके साथ ही नुपुर के पेरेंट्स ने भी बेटी के लिए परफॉर्म किया। सोशल मीडिया पर मेहंदी और संगती से जुड़े तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक आज रविवार को नुपुर और स्टेबिन उदयपुर में ही हिंदू रिवाज से दोबारा शादी करेंगे। दोनों अग्नि के सामने फेरे लेंगे। नुपुर एक बार फिर दुल्हन बनेंगी। दरअसल, उदयपुर में शादी की सभी रस्में पूरी की जा रही हैं।

नुपुर सेनन और स्टेबिन पिछले कुछ सालों से एक-दूसरे के डेट कर रहे थे। कई पारिवारिक मौकों पर दोनों को साथ देखा गया है। हाल ही में स्टेबिन ने नुपुर को शादी के लिए प्रपोज किया था। कपल ने तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए थे। दोनों ही शादीशुदा कपल बन गए हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर कपल की तस्वीरें वायरल हो रही है और फैंस पसंद कर रही है।

वार्ड क्रमांक 131 में महायुति की शक्ति का भव्य प्रदर्शन

लोकप्रिय उम्मीदवार राखीताई जाधव की जोशीली बाइक रैली से गूंजा घाटकोपर पूर्व

दिव्यांश

मुंबई। रविवार, दिनांक 11 जनवरी 2026 को प्रातः 11.00 बजे घाटकोपर पूर्व के पंत नगर परिसर से वार्ड क्रमांक 131 में भाजपा महायुति की लोकप्रिय उम्मीदवार सौ. राखीताई जाधव के प्रचारार्थ एक भव्य, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण बाइक रैली का आयोजन किया गया।

इस बाइक रैली में घाटकोपर के सेवाभावी विधायक पराग शाह जी की विशेष उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह दोगुना कर दिया।

रैली जैसे-जैसे विभिन्न इलाकों से होकर गुज़री, वैसे-वैसे नागरिकों ने जगह-जगह फूलों की वर्षा, नारों और अभिवादन के माध्यम से अपना उत्स्फूर्त समर्थन व्यक्त किया।

पूरे क्षेत्र में 'महायुति की जीत तय है' का विश्वास, सकारात्मक ऊर्जा और जनसमर्थन का प्रबल वातावरण देखने को मिला। यह बाइक रैली केवल प्रचार का माध्यम नहीं, बल्कि वार्ड क्रमांक 131 में महायुति के प्रति जनता के अटूट भरोसे का सशक्त प्रतीक बनकर उभरी।

इस भव्य आयोजन में भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री विकास कामत, पूर्व नगरसेविका सौ. बिंदू त्रिवेदी, मंडल अध्यक्ष श्री रचित त्रिवेदी, महामंत्री श्री संजय (बाबू) दरेकर, वार्ड अध्यक्ष श्री सचिन भोसले, महिला वार्ड अध्यक्षा सौ. गीता ताई जाधव, सौ. अनिता ताई अतितकर, सौ. अनुताई खत्री सहित भाजपा महायुति के सम्माननीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

इस बाइक रैली के माध्यम से वार्ड क्रमांक 131 में भाजपा महायुति की विजय का जनविश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। आगामी चुनाव में महायुति का झंडा लहराएगा, यह तस्वीर अब पूरी तरह स्पष्ट होती दिखाई दे रही है ।

निकाय चुनाव के लिए महायुति ने जारी किया घोषणा पत्र; शिंदे बोले- मराठियों, हम दस गुना अधिक करेंगे

मुंबई।महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनावों को लेकर जारी सियासी रस्साकशी के बीच उप मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने महायुति सरकार की प्राथमिकताओं का जिक्र किया। रविवार को कहा कि महायुति सरकार की पहली प्राथमिकता मराठी लोगों के लिए विकास है। शिंदे ने कहा कि सरकार 30-35 लाख घर बनाएगी, मुंबई को फिनटेक हब बनाया जाएगा, सभी सड़कों को मजबूत किया जाएगा और शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए 17,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

बता दें कि शिंदे ने यह बात महायुति का बीएमसी चुनावी घोषणा-पत्र लॉन्च करने के मौके पर कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े भी मौजूद थे। जहां शिंदे ने इस बात पर भी जोर दिया कि मुंबई को झोपड़पट्टी मुक्त बनाने के लिए काम चल रहा है।

मराठियों हम आपके लिए 10 गुना करेंगे- शिंदे

शिंदे ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे का सपना था कि मुंबई लोगों की अपनी बने। हम घाटकोपर में 17,000 लोगों के लिए एसआरए प्रोजेक्ट चला रहे हैं। मराठी भाइयों के लिए मल्टीप्लेक्स थियेटर बनाए जाएंगे। मराठियों, हम आपके लिए 10 गुना अधिक करेंगे। शिंदे ने आगे कहा कि मुंबई में वर्ल्ड-क्लास यूनिवर्सिटी स्थापित की जाएगी, BEST में महिलाओं को 50इ आरक्षण दिया जाएगा और सभी सड़कों को गड्ढा-मुक्त किया जाएगा।

महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव और सियासत

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों के चुनाव, जिनमें मुंबई, पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ शामिल हैं, 15 जनवरी को होंगे और वोटों की गिनती 16 जनवरी को होगी। इससे पहले चुनाव को लेकर राज्यभर में हलचल तेज है। छोटे-बड़े राजनीतिक बदलाव भी देखने को मिल रहे हैं। पूर्व विधायक दगडू सकपाल ने शिवसेना (यूबीटी) छोड़कर एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए। इसके अलावा, महाराष्ट्र के अंबरनाथ नगर परिषद के 12 निलंबित कांग्रेस कॉर्पोरेटर्स ने भाजपा का दामन थाम लिया।

मुंबईकरों के ज्वलंत मुद्दों पर महायुति का संकल्प पत्र जारी

नागरिकों के सुझावों से ही तैयार हुआ विकास का रोडमैप

मुंबई। आगामी चुनावों की पृष्ठभूमि में मुंबई महानगरपालिका के लिए भारतीय जनता पार्टी-शिवसेना-रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) की महायुति द्वारा तैयार किए गए संकल्प पत्र का भव्य प्रकाशन रविवार, 11 जनवरी को बांद्रा स्थित एमसीए क्लब में संपन्न हुआ। इस संकल्प पत्र में मुंबईकरों के लिए आगामी वर्षों की विकास योजनाओं, बुनियादी सुविधाओं और जनहितकारी आश्वासनों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया गया है।

इस अवसर पर मंच पर मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्री तथा रिपाई (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामदास आठवले, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री विनोद तावड़े, राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) एवं सांस्कृतिक मंत्री श्री आशीष शेलार, मुंबई भाजपा अध्यक्ष श्री अमित साटम, सांसद श्री मिलिंद देवड़ा, सांसद श्री राहुल शेवाळे, विधायक श्री योगेश कदम, रिपाई नेता व प्रवक्ता श्री अविनाश महातेकर सहित महायुति के सभी घटक दलों के विधायक एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत मुंबई भाजपा अध्यक्ष श्री अमित साटम के प्रस्ताविक भाषण से हुई। उन्होंने कहा,

"आवाज़ मुंबईकरों की - संकल्प भाजपा का' इस अभियान के तहत पिछले दो महीनों में मुंबईकरों से सुझाव आमंत्रित किए गए थे। हमें लगभग 2 लाख 65 हजार सुझाव प्राप्त हुए। इन्हीं सुझावों के आधार पर यह संकल्प पत्र तैयार किया गया है। यह महायुति का नहीं, बल्कि मुंबईकरों का संकल्प पत्र है।'

उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे ने संकल्प पत्र के प्रमुख बिंदुओं को प्रस्तुत करते हुए कहा,

'पिछले कुछ वर्षों में मुंबई का मराठी मानुष उपनगरों की ओर पलायन करने को मजबूर हुआ है। उसे पुनः मुंबई में सम्मानपूर्वक बसाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। पुनर्विकास में आने वाली बाधाओं को दूर किया गया है। एसआरए, म्हाडा, सेस और नॉन-सेस इमारतों के पुनर्विकास पर निर्णायक फैसले लिए गए हैं। पानी की दरों में हर साल होने वाली 8 प्रतिशत वृद्धि को आगामी पांच वर्षों के लिए स्थगित किया जाएगा। मुंबई को प्रदूषण मुक्त और गड्ढा मुक्त बनाने का संकल्प हम पूरा करेंगे। हम केवल संकल्प पत्र जारी नहीं करेंगे, बल्कि उसकी पूरी तरह से अमलवारी भी करेंगे।'

श्री शिंदे ने आगे कहा,

'बाला साहेब ठाकरे की जन्मशताब्दी के अवसर पर उनके '80 प्रतिशत समाजकारण और 20 प्रतिशत राजनीति' के मूल मंत्र के अनुसार स्वास्थ्य, शिक्षा और जनकल्याणकारी योजनाओं को पूरे वर्ष लागू किया जाएगा। दुर्भाग्यवश, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के संकल्प पत्र में बाला साहेब ठाकरे, मराठी भाषा और हिंदुत्व का कहीं उल्लेख नहीं है। लेकिन हमारे संकल्प पत्र में इन सभी मूल्यों को स्थान दिया गया है। यह केवल घोषणापत्र नहीं, बल्कि विकास का दस्तावेज़ है। साथ ही बाला साहेब ठाकरे मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना भी की जाएगी।'

मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने संकल्प पत्र की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा,

'महायुति का संकल्प पत्र आज मुंबईकरों के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है। हमने केवल समस्याओं पर चर्चा नहीं की, बल्कि यह विश्वास भी पैदा किया है कि इन समस्याओं का समाधान संभव है। हमारा ट्रैक रिकॉर्ड स्पष्ट है। इसलिए हम इस संकल्प पत्र को निश्चित रूप से पूरा करेंगे। पांच वर्षों के बाद हम 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' के साथ जनता के सामने जाएंगे और बताएंगे कि क्या किया, क्या चल रहा है और क्या शेष है।'

उन्होंने आगे कहा,

'हमने डीम कन्वेयंस, फ्री होल्ड जमीन, भवन ऊंचाई जैसी जटिल समस्याओं का समाधान किया है। मुंबई का मराठी मानुष किसी भी परिस्थिति में मुंबई छोड़ने को मजबूर नहीं होगा - यह हमारा संकल्प है। बीडीडी चॉल, पत्रा चॉल और विशाल सह्याद्री जैसे प्रकल्प इसका प्रमाण हैं। म्हाडा लेआउट्स के पुनर्विकास में अधिक क्षेत्रफल के घर और पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। धारावी का विकास डीआरपी मॉडल के तहत होगा, जिसमें सरकार भागीदार होगी। धारावी के प्रत्येक पात्र परिवार को न्यूनतम 350 वर्गफुट का घर दिया जाएगा। वहां के लघु उद्योगों के लिए सशक्त इकोसिस्टम विकसित किया जाएगा। अपात्र निवासियों के लिए भी न्यायालय के आदेशों का सम्मान रखते हुए समाधान निकाला जाएगा। साथ ही मनपा के सफाई कर्मचारियों को भी मालिकाना हक के घर दिए जाएंगे। मनपा की प्रत्येक स्कूल में मराठी भाषा को सुदृढ़ करने हेतु 'मराठी लैंग्वेज लैब' शुरू की जाएगी।'

इस संकल्प पत्र में महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए अवसर, और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। राज्य सरकार की तर्ज पर 'लाडली बहनों' को आत्मनिर्भर बनाने हेतु 5 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। इसके साथ ही यूटिलिटी कॉरिडोर, सीमेंट-कंक्रीट सड़कों का शीघ्र पूर्णता, तथा मुंबई को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए 17 हजार करोड़ रुपये के विशेष कोष और पर्यावरण प्राधिकरण की स्थापना की घोषणा भी की गई है।

साक्षात्कार : वार्ड क्रमांक 43 का विकास रोडमैप

कांग्रेस उम्मीदवार सुदर्शन फूलचंद सोनी से विशेष बातचीत

प्रश्न 1 : मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 को आप किस दृष्टि से देखते हैं?

उत्तर : मेरे लिए यह चुनाव केवल पार्षद बनने का नहीं, बल्कि वार्ड क्रमांक 43 के भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। यह चुनाव विकास, जवाबदेही और जनभागीदारी का चुनाव है। नागरिक अब केवल वादे नहीं, बल्कि ज़मीनी काम और ठोस परिणाम चाहते हैं। मेरा विज़न इसी सोच पर आधारित है।

प्रश्न 2 : वार्ड 43 की सबसे बड़ी समस्याएँ आपको क्या लगती हैं?

उत्तर : वार्ड 43 की मुख्य चुनौतियाँ बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी हैं–जर्जर आंतरिक सड़कें, जलभराव, नालों की समय पर सफाई का अभाव और अनियमित जलापूर्ति। ये समस्याएँ वर्षों से चली आ रही हैं और इन्हें अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी समाधान की आवश्यकता है।

प्रश्न 3 : इन बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए आपका रोडमैप क्या है?

उत्तर : मैं समयबद्ध और जवाबदेह कार्ययोजना पर विश्वास करता हूँ।

सभी आंतरिक सड़कों का चरणबद्ध पुनर्निर्माण। नालों की मशीन और मैनुअल दोनों माध्यमों से नियमित सफाई मानसून से पहले जलनिकासी की विशेष समीक्षा। पाइपलाइन नेटवर्क का ऑडिट कर निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करना इन सभी कार्यों के लिए संबंधित विभागों के साथ स्पष्ट समय-सीमा तय की जाएगी।

प्रश्न 4 : स्वच्छता और स्वास्थ्य को आप कितनी प्राथमिकता देते हैं?

उत्तर : स्वच्छता और स्वास्थ्य मेरे विज़न का मूल आधार हैं।

'स्वच्छ वार्ड ही स्वस्थ नागरिकों की मजबूत नींव रखता है।'

कचरा पृथक्करण, डोर-टू-डोर कलेक्शन की सख़्त निगरानी, सार्वजनिक शौचालयों का आधुनिकीकरण, नियमित फॉगिंग और वार्ड स्तर पर स्वास्थ्य शिविर–ये सभी मेरी प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

प्रश्न 5 : महिलाओं की सुरक्षा को लेकर आपकी क्या योजना है?

उत्तर : महिला सुरक्षा केवल नारे की नहीं, बल्कि ठोस व्यवस्था की मांग करती है।

अंधेरे इलाकों में हाई-मास्ट व स्ट्रीट लाइट्स। संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे।

सुरक्षित सार्वजनिक स्थान और बस स्टॉप।

महिला हेल्पडेस्क व त्वरित शिकायत समाधान।

मेरा लक्ष्य है कि वार्ड 43 की हर महिला स्वयं को सुरक्षित महसूस करे।

प्रश्न 6 : वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं के लिए क्या विशेष योजनाएँ रहेंगी?

उत्तर : वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की धरोहर हैं। उनके लिए स्वास्थ्य सहायता नियमित मेडिकल कैंप सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ युवाओं के लिए खेल मैदानों और व्यायामशालाओं का विकास कौशल विकास कार्यक्रम रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण ताकि युवा शक्ति को सही दिशा मिल सके।

प्रश्न 7 : पारदर्शिता और जवाबदेही को आप कैसे सुनिश्चित करेंगे?

उत्तर : मैं मानता हूँ कि जनप्रतिनिधि को जनता के बीच रहकर काम करना चाहिए।

नियमित जनसुनवाई

वार्ड कार्यालय में तय समय पर नागरिक संवाद

शिकायतों का ऑनलाइन व ऑफलाइन ट्रैकिंग सिस्टम

'जनप्रतिनिधि का काम सिर्फ चुनाव जीतना नहीं, बल्कि पूरे कार्यकाल जनता के साथ खड़ा रहना है।'

प्रश्न 8 : अंत में, आप वार्ड 43 के नागरिकों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

उत्तर : मेरा वादा है–ईमानदार नेतृत्व, पारदर्शी प्रशासन और निरंतर विकास। जनसहभागिता के साथ हम वार्ड 43 को एक सुव्यवस्थित, स्वच्छ, सुरक्षित और आदर्श वार्ड बना सकते हैं। यह मेरा संकल्प है और यही मेरा रोडमैप।

पीएम मोदी से धारावी पुनर्विकास परियोजना की आधारशिला रखने का अनुरोध करेंगे फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुंबई में धारावी झुग्गी बस्ती पुनर्विकास परियोजना की आधारशिला रखने के लिए अनुरोध करेगी।

शनिवार शाम यहां पत्रकारों से बातचीत में फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) के लिए प्रतिबद्ध है और सभी पात्र व्यक्तियों को 350 वर्ग फुट के मकान मिलेंगे। उन्होंने कहा, "हम प्रधानमंत्री मोदी से धारावी पुनर्विकास परियोजना की आधारशिला रखने का अनुरोध करेंगे।"

इस परियोजना के तहत पिछले साल पहली पात्रता सूची जारी की गयी थी, जिसमें महत्वाकांक्षी झुग्गी पुनर्विकास योजना के तहत नए मकानों के लिए 75 प्रतिशत से अधिक मकान मालिक पात्र पाए गए थे। डीआरपी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, धारावी में एक जनवरी, 2000 से पहले बसे सभी वास्तविक निवासी धारावी के भीतर 350 वर्ग फुट के फ्लैट के लिए पात्र हैं। ऐसे सभी निवासी पुनर्वास के लिए पात्र होंगे, बशर्ते वे दस्तावेज प्रस्तुत न करें। जो लोग एक जनवरी, 2000 और एक जनवरी, 2011 के बीच आकर बसे हैं, उन्हें धारावी के बाहर वैकल्पिक स्थानों पर 300 वर्ग फुट के फ्लैट मिल सकते हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का विपक्षी दल शिवसेना (उबाठा), कांग्रेस और कुछ स्थानीय निवासियों द्वारा विरोध किया जा रहा है।

'भाजपा महायुति उम्मीदवार' और 'पूर्व नगरसेवक' की पहचान के साथ मज़बूत दावेदारी

वार्ड 37 में भरोसे की राजनीतिः प्रतिभा हेमंत शिंदे को मिल रहा मज़बूत जनसमर्थन

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 के मद्देनज़र मलाड पूर्व के वार्ड क्रमांक 37 में चुनावी सरगर्मी तेज़ होती जा रही है। इस वार्ड में भारतीय जनता पार्टी की महायुति उम्मीदवार एवं पूर्व नगरसेवक प्रतिभा हेमंत शिंदे एक बार फिर मज़बूत और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरकर सामने आई हैं। प्रशासनिक अनुभव, साफ़-सुथरी छवि और ज़मीनी स्तर पर सक्रिय कार्यशैली के चलते उन्हें सभी वर्गों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

पूर्व नगरसेवक के रूप में उनका कार्यकाल आज भी वार्ड की जनता के बीच चर्चा का विषय है। नागरिक समस्याओं की गहरी समझ, प्रशासनिक अधिकारियों से प्रभावी समन्वय और विकास कार्यों की सतत निगरानी उनकी कार्यशैली की पहचान रही है। वार्ड 37 वर्षों से पानी की किल्लत, जर्जर सड़कों, ड्रेनेज की समस्या, सफ़ाई व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और महिला सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों से जूझता रहा है। प्रतिभा शिंदे इन सभी समस्याओं के स्थायी और परिणामकारी समाधान के स्पष्ट रोडमैप के साथ चुनाव मैदान में उतरी हैं।

प्रतिभा शिंदे का मानना है कि 'नगरसेवक केवल चुना हुआ प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि जनता और प्रशासन के बीच सेतु होता है। योजनाओं की घोषणा नहीं, बल्कि उनका ज़मीन पर उतरना और नियमित समीक्षा ही वास्तविक विकास है।'

इसी सोच के तहत वे महिला स्वावलंबन, युवाओं के लिए कौशल विकास व खेल सुविधाएं, वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं तथा स्वच्छता व्यवस्था को अपनी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर रख रही हैं।

भाजपा संगठन की मज़बूत जड़ें और महायुति सरकार के विकासोन्मुख दृष्टिकोण का सीधा लाभ वार्ड 37 तक पहुँचाना उनका प्रमुख उद्देश्य है। चुनाव प्रचार के दौरान चल रहे जनसंवाद से यह स्पष्ट हो रहा है कि मतदाता इस बार अनुभव, कार्यक्षमता और जवाबदेही को निर्णायक मानदंड मान रहे हैं। महिलाएं, युवा, वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय व्यापारी वर्ग खुलकर उनके समर्थन में आगे आ रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि पूर्व नगरसेवक के अनुभव और महायुति सरकार के सहयोग से प्रतिभा हेमंत शिंदे वार्ड 37 को विकास की नई दिशा देने में सक्षम हैं।

कुल मिलाकर, वार्ड 37 में यह चुनाव केवल संख्याओं का नहीं, बल्कि अनुभव, विश्वास और विकास की राजनीति का बन चुका है–और इस कसौटी पर भाजपा महायुति उम्मीदवार प्रतिभा हेमंत शिंदे स्वयं को एक सशक्त, सक्षम और भरोसेमंद विकल्प के रूप में स्थापित करती दिखाई दे रही हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)